हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 183, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 2 जनवरी, 2024 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

नया साल मुबारक : लाल चौक से मनाली तक पर्यटकों से पटे पहाड़

रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे वैष्णो देवी; उत्तराखंड के सभी पर्यटक स्थल पैक

नई दिल्ली। नए साल के स्वागत में पहाड़ पर्यटकों से पट गए हैं। जम्मू-कश्मीर में देशभर से पर्यटकों से लेकर मां वैष्णो देवी का आशीर्वाद लेने श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर नए साल का जश्न मनाने के लिए पहली बार आम लोगों से लेकर पर्यटकों की भारी भीड़ रही। उत्तराखंड के मसूरी, धनोल्टी, कौसानी, औली, लैंसडोन, काणाताल, अल्मोड़ा और रानीखेत में बड़ी संख्या में सैलानी नए साल का जश्न मनाने के लिए पहुंच चुके हैं। हालांकि नैनीताल में उम्मीद के मुताबिक पर्यटक नहीं पहुंचे हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के पर्यटनस्थलों में पिछले दो दिन में 3.75 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे। नववर्ष पर मां वैष्णो देवी का आशीर्वाद लेने के लिए कटड़ा से मां वैष्णो देवी का दरबार श्रद्धालुओं से गुलजार है। शाम साढ़े सात बजे तक 42 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवा भवन की ओर रवाना हो चुके थे। इसके बावजूद पंजीकरण काउंटरों पर लंबी लाइन लगी रही। भीड़ को देखते हुए श्राइन बोर्ड प्रशासन द्वारा शाम साढ़े सात बजे

पंजीकरण केंद्र बंद कर दिए गए। कटड़ा में 20 से 25 हजार श्रद्धालु यात्रा पंजीकरण केंद्र खुलने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष एक लाख 94 हजार से अधिक श्रद्धालु हाजिरी लगा चुके हैं।

पिछले वर्ष 93,23,647 श्रद्धालु मां के दरबार में पहुंचे थे। वहीं, इस वर्ष 95 लाख 20 हजार श्रद्धालु मां के दरबार पहुंचे। कश्मीर के इतिहास में यह पहली बार है कि जब लाल चौक जैसे सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील इलाके में नववर्ष के अवसर पर विशाल समारोह हुआ। गुरुग्राम से आए अमिताभ पर्यटक ने कहा, वह बीते तीन वर्षों से नववर्ष घाटी में ही मनाता आ रहे हैं। गुलमर्ग, पहलगाम में परिवार के साथ जा चुका हूं। इस बार लालचौक में जश्न मनाया जो कि यादगार रहा। बैंगलुरु से आए श्रीधर ने कहा, अभी तक तो हमने लाल चौक को विशेषकर घंटाघर को ऐसे अवसरों पर सुनसान ही पाया था। मगर अब सब बदल गया है।

उत्तराखंड के मसूरी, धनोल्टी, कौसानी, औली, लैंसडोन, काणाताल, अल्मोड़ा और रानीखेत में लगभग डेढ़ लाख से ज्यादा पर्यटक नए साल का जश्न मनाने के लिए पहुंच चुके हैं। पिछले तीन दिन से सैलानियों का जश्न के लिए उत्तराखंड पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मसूरी में भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे हैं। हालांकि अभी वहां जाम जैसी कोई स्थिति नहीं है। नैनीताल में उम्मीद के मुताबिक पर्यटक नहीं पहुंचे। नैनीताल में शाम तक शहर के भीतर के करीब 1000 वाहन क्षमता वाले पार्किंग भी फुल नहीं हो सके। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बताया कि कुछ बड़े होटलों को छोड़ शेष होटलों का कारोबार मंदा रहा। दो दिन में हिमाचल पहुंचे 3.75 लाख पर्यटक पिछले दो दिन में नववर्ष मनाने के लिए हिमाचल में पर्यटनस्थलों में 3.75 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे हैं। कसौली, चायल, शिमला, कुफरी, नारकंडा के होटलों में कोई भी कमरा खाली नहीं था। होम स्टे में भी कमरे नहीं मिल रहे थे। जानकारी के अनुसार, अटल रोहतांग सुरंग के दूसरे छोर पर स्नो प्वाइंट में आज 30 हजार से अधिक पर्यटक पहुंचे। वर्ष के अंत में प्रदेश के देवी मंदिरों चिंतपूर्णी, नयनादेवी, ज्वालामुखी, बज्रेश्वरी देवी, बगलामुखी व चामुंडाजी में भी हजारों श्रद्धालुओं ने माथा टेका और नए साल में खुशहाली की कामना की।

मायावती ने नए साल की बधाई के साथ भाजपा-कांग्रेस पर बोला हमला

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि लोगों की जेब में खर्च के लिए पैसे न हों, तो देश के विकास का ढिंढोरा किस काम का है? बेरोजगारों की फौज के साथ विकसित भारत कैसे संभव है? केंद्र की सरकार हो या राज्य की सरकारें, दोनों महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ापन जैसी बुनियादी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही हैं। लोगों का ध्यान बांटने के लिए गारंटी वितरण में ही लगी हैं, जो समाधान कम और छलावा ज्यादा है। बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को देश और प्रदेशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देने के साथ अपने संदेश में कहा कि इज्जत की रोजी-रोटी के लिए सरकार को केवल रोजगार की गारंटी सुनिश्चित करनी होगी। सरकार केवल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ की राजनीति कर रही हैं, जिससे मुक्ति पाये बिना वास्तविक देशहित कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि देश की जनता को इस चुनावी साल में इसके प्रति जरूर गंभीर होना चाहिये, वरना भाजपा की संघ तुष्टीकरण की नीतियों तथा इनका संकीर्ण राष्ट्रवाद देश के बहुजनों के आरक्षण को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बना देगा। साथ ही, जातीय जनगणना आदि के भूल सुधार के प्रयास का विरोध करके इनकी तरक्की नहीं होने देगा।

नए साल पर रोडवेज बसों-ट्रक चालकों का चक्का जाम

आइएसबीटी-ईदगाह और बिजलीघर स्टैंड पर खड़ी बसें

आगरा। नववर्ष के पहले दिन ही सोमवार को रोडवेज और ट्रक चालकों ने चक्का जाम कर दिया। चालक नए कानून में चालकों के लिए सजा और जुमार्ने के प्राविधान का विरोध कर रहे हैं। इसे लेकर आइएसबीटी, ईदगाह, बिजलीघर बस स्टैंड पर रोडवेज बसों को खड़ा कर दिया। इससे वहां पहुंची सवारियों को भटकना पड़ रहा है। विभिन्न रूट पर जाने वाली बसों के खड़ा होने से सैकड़ों यात्री बस स्टैंडों पर भटकते रहे, पूछताछ केंद्र पर जाकर बसों के संचालन के बारे में पूछते रहे। इधर, देहात में भी व्यवसायिक वाहनों व ट्रक चालकों ने जगह-जगह चक्का जाम कर प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस सुबह से दौड़ती रही। सरकारी बस चालकों को परिवहन विभाग दबाव डालकर बसें लेकर भेज रहा है। जिससे यात्रियों को परेशानी न हो। लेकिन ड्राइवरों का कहना है कि यदि रास्ते में कुछ हुआ तो इसकी जिम्मेदारी के लिए वे तैयार नहीं हैं। इंडियन पीनल कोड (आइपीसी) अब (भारतीय न्याय संहिता) की धाराओं में संशोधन के विरोध में रोडवेज चालकों और व्यवसायिक वाहनों के चालकों सोमवार को हड़ताल कर दी। इससे शहर और देहात के बस अड्डों पर पहुंचे यात्री अपने गंतव्य को जाने के लिए परेशान रहे। किसी को परीक्षा तो किसी को घर पहुंचने की जल्दी थी। वर्ष के पहले दिन ही अव्यवस्थाओं के चलते यात्री भटकते रहे। आइएसबीटी पर सिर्फ अयोध्या जाने वाली बस को छोड़कर कोई बस नहीं मिली। अयोध्या जाने वाली बस में भी अयोध्या की जगह लखनऊ और कानपुर की सवारियां भर गईं। यही हाल ईदगाह और बिजलीघर बस स्टैंड का रहा। इधर, सिकंदरा में फरह हाईवे के पास रैपुरा जाट पर ट्रक चालकों ने चक्का जाम कर दिया। इससे न्यू दक्षिणी बाइपास पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। इसके अलावा शमसाबाद में राजाखेड़ा रोड स्थित गढ़ी थाना बाइपास पर, बसई अरेला में गांव स्याहीपुरा के पास आगरा मार्ग पर ताजगंज में दिगनेर में ट्रक चालकों द्वारा चक्का जाम कर प्रदर्शन किया गया।

सीएम योगी को सामने देख चौंक गए बच्चे, बोले- हैप्पी न्यू ईयर महराज जी

गोरखपुर। नववर्ष का पहला दिन, गोरखनाथ मंदिर दर्शन-पूजन करने गए कुछ बच्चों के लिए यादगार बन गया। नए साल की पहली सुबह न केवल उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलाने वाली रही बल्कि उन्हें सीएम को हैप्पी न्यू ईयर बोलने और बदले में ढेर सारा प्यार-दुलार दिलाने वाली भी रही। संयोगवश सीएम योगी से मिलने का अवसर अकस्मात प्राप्त करने वाले बच्चों में से एक का जन्मदिन भी था, लिहाजा मुख्यमंत्री ने उसे अपने स्नेहिल आशीष से भी खूब अभिसिंचित किया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हमेशा की तरह सोमवार सुबह भी मंदिर परिसर का भ्रमण कर रहे थे। संयोग से यह नए साल का पहला दिन भी है। मंदिर परिसर का भ्रमण करते मुख्यमंत्री की नजर कड़ाके की ठंड में मंदिर में दर्शन पूजन करने आए कुछ बच्चों पर पड़ गई। उन्होंने प्यार से

उन्हें अपने पास बुलाया। सीएम योगी से मुलाकात इस तरह हो जाएगी, इसका बच्चों को यकीन ही नहीं हो पा रहा था। प्रफुल्लित होकर वह मुख्यमंत्री के पास पहुंचे और चरण स्पर्श कर बोल पड़े, 'हैप्पी न्यू ईयर महराज जी।' यह सुनते ही मुख्यमंत्री मुस्कुराने लगे। सिर पर हाथ फेरकर शुभकामनाएं, आशीर्वाद देने के साथ उन्होंने बच्चों का नाम और उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। शिवम पटेल नाम के बच्चे ने बताया कि वह प्रयागराज का रहने वाला है और परिजनों के साथ धर्मस्थलों की यात्रा करते हुए गोरखनाथ मंदिर आया है। जबकि गोरखपुर के रहने वाले बालक आकाश ने मुख्यमंत्री से कहा कि आज उसका जन्मदिन है और वह गुरु गोरखनाथ का दर्शन कर आशीर्वाद लेने आया है। यह सुनते ही सीएम योगी ने उसे जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को खूब पढ़ने, स्वस्थ रहने और खूब आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

गंगा पूजन के बाद राम के आराध्य बाबा विश्वनाथ को निमंत्रण

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रान्त के प्रांत प्रचारक श्री रमेश ने विश्व के सबसे बड़े गृह संपर्क अभियान को काशी प्रान्त में प्रारंभ करने हेतु हिदुओं की पूज्य नदी गंगा में काशी के दशाश्वमेध घाट पर प्रातः काल ही कार्यकताओं के साथ स्नान कर गंगा मैया की विधिवत पूजा अर्चना की।घाट पर ही बैठक कर प्रान्त प्रचारक ने कहा कि हिन्दू समाज की संकल्प से सिद्धि तक यात्रा आगामी 22 जनवरी को भव्य श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि राम लला भारत की अस्मिता के प्रतीक है, उनका जीवन भारतीय समाज को त्याग करने की प्रेरणा देता है साथ मातृभूमि के प्रति गहरी आस्था को दशार्ता है।श्री रमेश जी ने कहा कि आज श्री राम चिरन्तन मुल्यों के स्वर्णिम शिखर है साथ ही हिन्दू दर्शन के पुंज हैं।वहां से प्रान्त प्रचारक ने आगामी 22 जनवरी हेतु प्राण प्रतिष्ठा गृह जनसम्पर्क अभियान का पहला निमंत्रण देवाधिदेव काशी विश्वनाथ जी के चरणों में समर्पित कर निमंत्रण पत्र दिया ,उसके पश्चात श्री चिंतामणि गणेश जी और श्री गौरी केदारेश्वर को भी निमंत्रण पत्र दिया। इसके साथ ही काशी प्रान्त के गृह जनसम्पर्क अभियान की शुरूआत हो गयी।ज्ञातव्य हो कि आगामी 22 जनवरी को काशी प्रान्त में संघ की रचना दृष्टि हर जनपदों में हर घर निमंत्रण दिया जाएगा जिससे कि काशी प्रान्त में उत्सव का माहौल बन सके।श्री राम मंदिर निर्माण में देश भर के अन्य प्रान्तों से ज्यादा काशी प्रान्त के कार्यकताओं ने अर्पण राशि दी है।इस अवसर पर वेंकट रमण घनपाठी सहित संघ के सैकड़ों कार्यकताओं ने कार्यक्रम में भागीदारी की।

'तकनीक को हथियार न बनाएं', मनरेगा भुगतान के लिए आधार-आधारित प्रणाली की कांग्रेस का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली। मनरेगा भुगतान के लिए आधार आधारित प्रणाली को कथित तौर पर अनिवार्य किए जाने के बीच कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने कहा कि सरकार को प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी), खासतौर पर आधार को हथियार बनाना बंद करना चाहिए, जिससे देश के सबसे कमजोर तबके के लोगों को उनके सामाजिक कल्याण के लाभों से वंचित न किया जा सके। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के लिए आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) के जरिए भुगतान को अनिवार्य करने के लिए तय समय सीमा का पांचवां विस्तार 31 दिसंबर, 2023 को खत्म हो गया। उन्होंने कहा, 'कुल 25.69 करोड़ मनरेगा श्रमिक हैं। जिनमें से 14.33 करोड़ को सक्रिय श्रमिक माना जाता है। 27 दिसंबर तक कुल पंजीकृत श्रमिकों में से 34.8 फीसदी (8.9 करोड़) और 12.7 फीसदी सक्रिय कार्यकर्ता (1.8 करोड़) अभी भी आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) के लिए अयोग्य हैं।' उन्होंने कहा कि मनरेगा मजदूरी भुगतान के लिए एबीपीएस का इस्तेमाल करने में श्रमिकों, चिकित्सकों और शोधकताओं द्वारा उजागर की गई कई चुनौतियों के बावजूद मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी के साथ अपने विनाशकारी प्रयोगों को जारी रखा है। उन्होंने आरोप लगाया, यह करोड़ों सबसे गरीब और वंचित भारतीयों को बुनियादी आय हासिल करने से बाहर रखने के लिए प्रधानमंत्री का नए साल का क्रूर तोहफा है। रमेश ने कहा कि 30 अगस्त, 2023 को ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी की गई एक एडवाइजरी में कुछ संदिग्ध दावे किए गए हैं। जैसे जॉब कार्ड को इस आधार पर नहीं हटाया जाएगा कि श्रमिक एपीबीएस के लिए पात्र नहीं है और कुछ परामर्श में विभिन्न हितधारकों ने एबीपीएस को मजदूरी भुगतान करने के लिए सबसे अच्छा मार्ग पाया है।

जापान में आया 7.5 तीव्रता का भूकंप, टकराई सुनामी की लहरें; लोगों को सुरक्षित जगह जाने को कहा

टोक्यो। नए साल पर जापान से एक चिंता करने वाली खबर सामने आ रही है। यहां 7.5 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके बाद कई झटके महसूस किए गए। इससे देश के पश्चिमी तट के एक बड़े हिस्से में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, यह भी जानकारी सामने आई है कि इशिकावा प्रांत के वाजिमा शहर में 1.2 मीटर की सुनामी की लहर टकरा गई है। फिलहाल, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन अधिकारियों को तत्काल लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के आदेश दिए गए हैं। इस बीच, जापान ने इशिकावा, निगाता और तोयामा, नागानो प्रान्तों के लिए एक और भूकंप की चेतावनी जारी की है। वहीं, सोशल मीडिया पर तोयामा शहर में आई सुनामी का वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि यह वीडियो अभी की है या पहले कभी की। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, इशिकावा प्रांत के वाजिमा बंदरगाह पर 1.2 मीटर की ऊंचाई तक ऊंची लहरें देखी गईं। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुनामी की चेतावनी के बाद लोगों से इशिकावा, निगाता, तोयामा और यामागाता प्रान्तों के तटीय क्षेत्रों को जल्द से जल्द छोड़ने का आग्रह किया गया है। कहा जा रहा है कि पांच मीटर (16 फीट) ऊंची लहरें उठ सकती हैं। कोस्टल एरिया में रहने

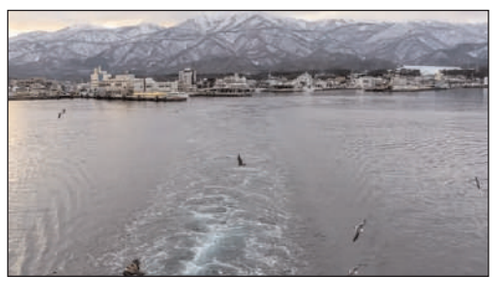

वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा गया है। हवाई स्थित प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा है कि जापान तट पर भूकंप के केंद्र के 300 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठने की आशंका है। बता दें, भूकंप के झटके टोक्यो और पूरे कांटो इलाके में महसूस किए गए हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने कहा कि जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के जापान सागर की ओर नोटो क्षेत्र में स्थानीय समयानुसार शाम चार बजकर छह मिनट पर 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद शाम चार बजकर 10 मिनट पर 7.6 तीव्रता का भूकंप, चार बजकर 18 मिनट पर 6.1 तीव्रता का भूकंप, चार बजकर 23 मिनट पर 4.5 तीव्रता का भूकंप, चार बजकर 29 मिनट पर 4.6 तीव्रता का भूकंप और चार बजकर 32 मिनट पर 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने बताया कि इसके तुरंत बाद 6.2 तीव्रता का एक और भूकंप आया। जापान में मार्च 2011 में नौ तीव्रता वाले विनाशकारी भूकंप के कारण जबर्दस्त सुनामी आई थी। तब उठी सुनामी की लहरों ने फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट को तबाह कर दिया था। इसे पर्यावरण को नुकसान के लिहाज से बड़ी घटना माना गया था। तब समुद्र में उठी 10 मीटर ऊंची लहरों ने कई शहरों में तबाही मचाई थी। इसमें करीब 18 हजार लोगों की मौत हुई थी।

अक्षत वितरण अभियान का शुभारंभ कर रामनगरी से पूरे देश में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शंखनाद

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शंखनाद सोमवार को रामनगरी से हो गया है। आज से देश के पांच लाख गांव में अक्षत वितरण कर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को ऐतिहासिक बनाने की अपील की जाएगी। दलित बस्ती से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय की अगुवाई में भव्य शोभा यात्रा निकालकर अक्षत वितरण अभियान की शुरूआत की गई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने घर-घर जाकर लोगों को पूजित अक्षत व पत्रक देकर 22 जनवरी को उत्सव मनाने की अपील की है। इस दौरान भगवान राम, लक्ष्मण सीता के स्वरूपों से सजी भव्य शोभायात्रा भी निकली गई। शोभा यात्रा का वाल्मीकि समाज के लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर और भगवान के स्वरूपों की आरती उतार कर स्वागत भी किया। चंपत राय ने कहा कि आज से पूरे देश में अक्षत वितरण अभियान का शुभारंभ हो गया है। देश के 5 लाख गांव तक यह पूजित अक्षत पहुंचाया जाएगा। प 22 जनवरी को आनंद उत्सव मनाने की अपील की जाएगी। देश के पांच करोड़ परिवारों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जोड़ने की कोशिश होगी।

संपादकीय

आतंकियों का पनाहगाह पाक ने फिर दिखाया दोहरा रवैया

संयुक्त राष्ट्र या अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अक्सर खुद को पीड़ित के रूप में पेश करते हुए पाकिस्तान ने वास्तव में अपनी जमीन का कैसा इस्तेमाल किया है, यह अब किसी से छिपा नहीं है। एक ओर खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताना और दूसरी ओर कई आतंकी संगठनों को अपने ठिकानों से अपनी गतिविधियां चलाने की अघोषित छूट देना एक तरह से उसकी फितरत में शामिल है। इसी क्रम में लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद का अलग-अलग बहानों से बचाव करना या उसे संरक्षण देना पाकिस्तान शायद अपनी ह्यजिम्मेदारीह्ण समझता है! वरना क्या वजह है कि हाफिज सईद के खिलाफ अनेक सबूत मौजूद होने के बावजूद वह उसे कानून के कठघरे में खड़ा करने को लेकर आमतौर पर उदासीन दिखता है और अगर भारत की ओर से इस तरह की कोई मांग उठाई जाती है तो वह इससे बचने की ही कोशिश करता है। दरअसल, सन 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के अलावा देश के अन्य इलाकों में आतंकवाद फैलाने के अनेक मामलों में हाफिज सईद को सौंपने की मांग भारत की ओर से लगातार की जाती रही है। मगर इस पर पाकिस्तान ने कभी भी सकारात्मक रुख नहीं दिखाया। अब एक बार फिर भारत ने कहा है कि हाफिज सईद की यहां आतंकी हमलों के कई मामलों में तलाश है और वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी भी है। इसलिए कई प्रासंगिक और ठोस सहायक दस्तावेजों के साथ पाकिस्तान सरकार से एक विशेष मामले में मुकदमे का सामना करने के लिए सईद को भारत को प्रत्यर्पित करने की मांग की गई है। मगर हैरानी की बात यह है कि ठोस सबूतों और दस्तावेज मौजूद होने के बावजूद पाकिस्तान या तो इस तरह की मांग की अनदेखी कर देता है या फिर इस पर बचकाने बहाने बनाने लगता है। मसलन, इस बार फिर हाफिज सईद का प्रत्यर्पण करने की भारत की वाजिब मांग पर पाकिस्तान ने एक विचित्र राग अलापा है कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण से जुड़ा कोई करार नहीं है। सवाल है कि इस तकनीकी पहलू की आड़ लेकर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिह्नित जिस आतंकी को बचाने की कोशिश कर रहा है, क्या वह विश्व समुदाय के सामने अपने इरादे का औचित्य साबित कर पाएगा? पाकिस्तान के रुख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक घोषित आतंकवादी हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद के चुनाव लड़ने पर भी कोई रोक नहीं है। गौरतलब है कि भारत सरकार ने 2022 में एक अधिसूचना जारी की थी, जिसके मुताबिक भारत में लश्कर के हमलों के लिए आतंकियों को नियुक्त करना, उनके लिए धन का इंतजाम करना और हमलों की योजना बनाना तल्हा सईद की जिम्मेदारी है। मगर हाल ही में तल्हा सईद के पाकिस्तान में चुनाव लड़ने को लेकर खबर आई। यह समझना मुश्किल नहीं है कि पाकिस्तान में अगर कोई कट्टरपंथी आतंकी संगठन राजनीति की मुख्यधारा में आ जाता है और उससे जुड़े लोग चुनाव लड़ते हैं तब स्थितियां और कितनी जटिल हो जाती हैं। यों पाकिस्तान में ऐसी हरकतों को एक रणनीति के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है। जबकि आतंकी संगठनों की मुख्यधारा की राजनीति में भागीदारी और उनकी गतिविधियों का भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ता है। इस लिहाज से देखें तो हाफिज सईद को प्रत्यर्पित करने की भारत की मांग का संदर्भ समझा जा सकता है। मगर हाफिज सईद को कानून के कठघरे में खड़ा करने की राह में अड़चन पैदा करना दरअसल पाकिस्तान के दोहरे चेहरे को एक बार फिर बेनकाब करता है।

दोषारोपण करना है!

ना पड़ेगा फर्क ।
लाख दो सुझाव ।।
दोषारोपण करना है ।
ना आया ठहराव ।।
निकले आज बाहर ।
ऐसा ही बयान ।।
नासमझ हैं जितने ।
दिया उनको ज्ञान ।।
किया कितना काम ।
इसको नहीं बताया ।।
अब तक वहां राहत ।
है कितने को पहुंचाया ।।
खोखले जो दावे ।
कैसे ऐतबार ?
फिर भी जनता आम ।
है बैठी तैयार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

समय के सदुपयोग से पूरे होंगे नये लक्ष्य

क्षमा शर्मा

अपनी खट्टी-मीठी यादों के साथ 2023 विदा हो गया। हर रोज की आपाधापी, एक-एक दिन का बीतना, महीनों में बदलना और फिर साल की विदाई के रूप में आना। कहते हैं न कि समय को किसी पिंजरे में बंद नहीं किया जा सकता, न उसे पकड़ा जा सकता है। हां, उसके अच्छे और सार्थक उपयोग के तरीके ढूंढ़े जा सकते हैं। हर दिन कुछ ऐसा किया जा सकता है, जिससे समय का सदुपयोग भी हो और हमें संतुष्टि भी मिले। इन दिनों अक्सर लोग, हर दूसरा आदमी यह कहता पाया जाता है कि करना तो हम यह भी चाहते हैं, वह भी चाहते हैं लेकिन कर नहीं पाते, क्योंकि समय नहीं मिलता। अब सोचने की बात यह है कि जिन्हें देखकर हम सोचते हैं कि अमुक तो इतना सब कुछ कर लेते हैं, और हम उनके मुकाबले कुछ नहीं कर पाते, आखिर उनके पास भी तो समय हमारे बराबर ही है। रात-दिन को मिलाकर चौबीस घंटे ही।

इस मामले में अपनी परिचित एक महिला का उदाहरण देना सही मालूम पड़ता है। इस महिला का कहना था कि उसने अपनी नींद का समय तय कर रखा है, वह रात को दस बजे तक सो जाती है। इससे पहले सवेरे की तैयारी कर देती है जैसे कि सब्जी काटना, आटा गूंदना, दाल चुनकर रखना, बच्चों से उनका बस्ता लगवाना। उनकी यूनिफार्म निकालना, उनके मोजे जूतों में रखवाना, पानी की बोतल और लंच बाक्स अपनी जगह पर रखना। रात को सारा परिवार मिलकर खाना खाता है। परिवार में आपसी सामंजस्य और मेल-मिलाप के लिए जरूरी है कि सब इकट्ठे बैठकर खाना खाएं। बच्चे नौ बजे तक सो जाते हैं। इसके बाद यह महिला कोई टीवी प्रोग्राम देखती है। अगले दिन की तैयारी में जो कुछ बचा हो उसे पूरा करती है, पति से बातें करती है, हंसती, खिलखिलाती है।

रात को दस बजे सोने के बाद यह सवेरे पांच बजे उठती है। दोनों पति-पत्नी योग करते हैं। उससे पहले यह दाल और सब्जी बनने रख देती है। जितनी देर दोनों योग करते हैं, दाल, सब्जी बनकर तैयार

हो जाती है। दाल-सब्जी की तैयारी रात को सोने से पहले ही कर दी गई थी, इसलिए कोई दिक्कत भी नहीं होती। इसके बाद दोनों चाय पीते हैं। बच्चों को उठाते हैं। पति बच्चों को नहलाने-धुलाने, तैयार करने में मदद करते हैं। महिला बच्चों का नाश्ता और स्कूल ले जाने का टिफिन तैयार करती है। जब तक पति बच्चों को स्कूल छोड़ने जाते हैं, वह दोनों के लिए दफ्तर ले जाने का खाना और नाश्ता तैयार कर देती है। पति कालेज में पढ़ाते हैं, इसलिए दोपहर में बच्चों के आने से पहले वह लौट आते हैं। उनका होमवर्क करा देते हैं। खाना गर्म करके तीनों साथ खा लेते हैं।

सवेरे रसोई का काम खत्म होने से पहले ही पति आकर घर की साफ-सफाई का जिम्मा संभालते हैं। महिला रसोई को संवारती है। दोनों के नहाने के बाद कपड़े वाशिंग मशीन में डालती है। जब तक नाश्ता करते हैं, तैयार होते हैं, कपड़े धुल जाते हैं। निकलने से पहले या तो वह या पति कपड़े सुखा देते हैं और इस तरह शाम तक का काम बिना किसी बाहरी मदद के पूरा हो जाता है। महिला कार ड्राइव कर-के आफिस चली जाती है। लौटते हुए दफ्तर के पास लगने वाली फल मंडी से बच्चों के लिए फल भी खरीदकर गाड़ी में रख लेती है। उसका कहना है कि जहां वह रहती है, वहां फल बहुत महंगे मिलते हैं और अच्छे भी नहीं होते, इसलिए वह यहां से खरीदती है। बचत भी होती है।

एक बार आफिस के टाउन हाल में इस महिला ने जब अपनी दिनचर्या के बारे में बताया, तो सब बहुत चकित हुए। कइयों ने कहा कि तुम इनसान हो या रोबोट। इतने सारे काम कैसे कर लेती हो। थकती नहीं हो। फिर नौकरी भी करने आ जाती हो। संयोग से ये दिन साल के आखिरी दिन ही थे। बहुत से लोग उसे लेडी राबिन्सन क्रूसो भी कहने लगे।

महिला उनकी बातें सुनकर हंसी। उसने कहा आप लोग हर नए साल के शुरू होने से पहले बहुत से संकल्प लेते होंगे। जिनमें स्वास्थ्य सम्बंधी संकल्प भी होते होंगे। बचत करने की बात होती होगी। परिवार के साथ समय बिताने के बारे में भी सोचते होंगे। योग, एक्सरसाइज भी शिड्यूल में होते होंगे। आप ही बताइए जिस दिनचर्या के बारे में मैंने आपको बताया, उसमें इनमें से कौन-सी चीज छूट गई। मैं और मेरे पति अपने परिवार की देखभाल करते हैं। अपने स्वास्थ्य के बारे में सोचते हैं तभी योग करते हैं। घर की साफ-सफाई भी एक्सरसाइज ही समझिए। जितना समय हम जिम में आने-जाने में खर्च करते, उतने समय में घर के काम भी पूरे हो जाते हैं और हमारी एक्सरसाइज भी। अच्छे स्वास्थ्य के लिए घर का खाना जरूरी माना जाता है इसलिए हम कोशिश करते हैं कि घर का खाना ही खाएं, वही बच्चों को खिलाएं। हां, कभी-कभार की बात और है। यही नहीं, हम बचत के बारे में भी सोचते हैं क्योंकि अभी तो उम्र है कमाने की, एक दिन ऐसा आएगा कि उम्र तो बची रहेगी, लेकिन कमाने के साधन खत्म हो जाएंगे, इसलिए हर एक के लिए बचत जरूरी है। हम वही करते हैं। अपने बच्चों के नाम से भी हमने वे अकाउंट्स खुलवा रखे हैं जिनसे बड़े होकर उन्हें पढ़ने-लिखने में सुविधा होगी। अलग से पैसे का इंतजाम नहीं करना पड़ेगा। हम समय पर सोते हैं और समय पर उठते हैं। और दिलचस्प बात यह है कि हमारे पास कभी भी समय की कमी नहीं पड़ती। सारे काम पूरे होने के बाद भी समय बचा रहता है। साल में दो बार छुट्टियां लेकर हम बच्चों को घुमाने ले जाते हैं।

उस महिला की बात सुनकर एक और स्त्री ने सवाल किया था कि क्या कभी इतने काम से बोर नहीं होतीं। इस पर महिला ने कहा था कि काम से बोर आप तब होते हैं, जब आप एक ही किस्म का काम लगातार करते रहें। मेरे पास तो सवेरे से शाम तक सब अलग-अलग तरह के काम हैं। मैं उन्हें इन्जाय भी बहुत करती हूं। पति का सहयोग है, तो कामों में कोई दिक्कत भी नहीं होती। मैं हर साल शुरू होने से पहले सोचती हूं कि इस साल भी उसी तरह से काम करती रहूंगी जिस तरह से पिछले साल किया। और देखिए कि काम पूरे हो जाते हैं। जब मैंने गाड़ी खरीदी थी तो पति ने भी कहा था कि ड्राइवर रख लूं। लेकिन मुझे लगा कि क्यों न खुद चलाना सीखूं। इससे मुझे भी एक नई विद्या आएगी और आना-जाना आसान होगा। अब सारे परिवार को कहीं जाना होता है तो या तो मैं या पति गाड़ी चलाते हैं। इस तरह हम कहीं जा भी पाते हैं और किसी पर निर्भरता भी नहीं है। संसार की सबसे बुरी बात अपने काम के लिए दूसरों पर निर्भरता है। दफ्तर में इस महिला की बातचीत की इतनी तारीफ हुई थी कि उसे ही सबसे बड़ा इनाम दिया गया था। आप भी चाहें तो आने वाले साल के लिए इस महिला से बहुत कुछ सीख सकते हैं। नए साल के संकल्प ले सकते हैं।

वाणी है वरदान, चूके तो अभिशाप

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

वाणी मनुष्य को मिला ईश्वर का ऐसा अनूठा वरदान है, जो सृष्टि में अन्य किसी प्राणी को नहीं मिला है। मनुष्य का भाषा पर विशेष अधिकार है। भाषा के कारण ही मनुष्य इतनी उन्नति कर सका है। हमारी वाणी में मधुरता का जितना अधिक अंश होगा हम उतने ही दूसरों के प्रिय बन सकते हैं। दूसरी ओर, कटु वाणी हमें अलोकप्रिय बना देती है और कभी-कभी तो भयंकर अनिष्ट करवा देती है। आज समाज में, जाने क्यों, असहनशीलता और संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है। जरा-जरा सी बात पर झगड़े-फसाद हो जाते हैं। हर आदमी जैसे खुद को लाट साहब ही समझता है और बोलने में तो जैसे सबने जहर ही घोल रखा है।

वर्षों पहले मस्तमौला फक्कड़ कबीर ने हमें चेताया था और वाणी की महत्ता बताई थी, लेकिन हम हैं कि उस फकीर की बातों को भुला बैठे हैं :-

ऐसी बानी बोलिये, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करे, आपहु सीतल होय।

आखिर, हम हर वक्त अहंकार के झूले में क्यों झूलते रहते हैं? आज एक बोधकथा ऐसी पढ़ने को मिली है, जिसमें जीवन में हमें मिले वाणी के अनूठे और विलक्षण वरदान की

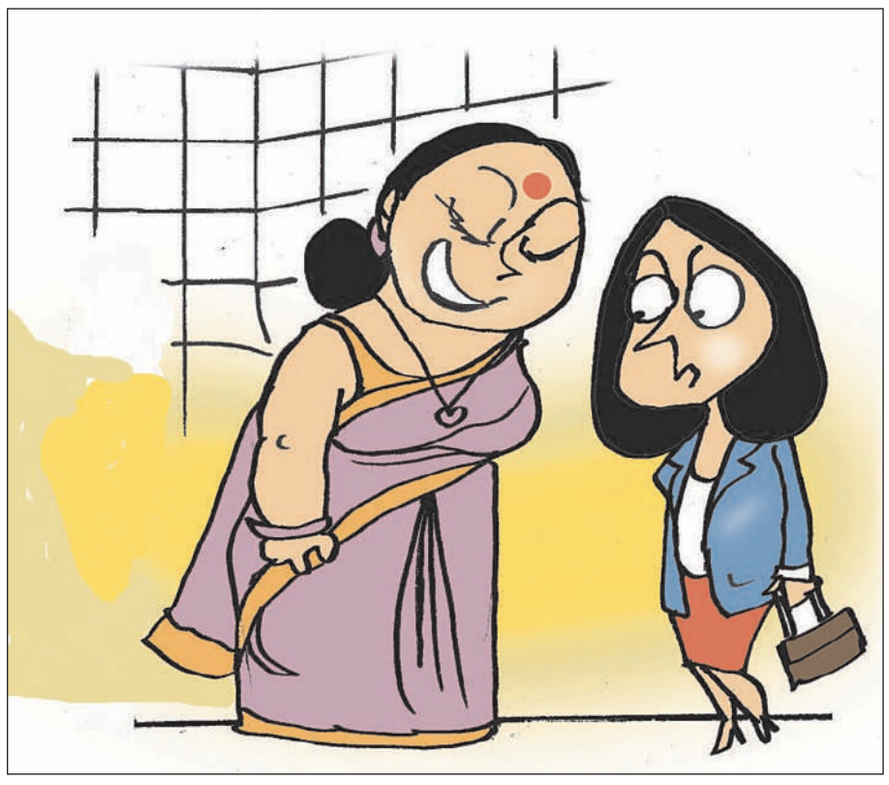

महत्ता दर्शाई गई है–

दास प्रथा के दिनों में, एक मालिक के पास अनेक गुलाम हुआ करते थे। उन्हीं में से एक गुलाम था लुकमान। वह था तो सिर्फ एक गुलाम, लेकिन वह बड़ा ही चतुर और बुद्धिमान था। उसकी ख्याति दूर-दराज के इलाकों में फैलने लगी थी।

एक दिन इस बात की खबर उसके मालिक को लगी, तो मालिक ने लुकमान को बुलाया और कहा, सुनते हैं कि तुम बहुत बुद्धिमान हो। मैं तुम्हारी बुद्धिमानी का इम्तिहान लेना चाहता हूं। अगर तुम इम्तिहान में पास हो जाओगे, तो तुम्हें गुलामी से छुट्टी दे दी जाएगी। मालिक ने हुक्म दिया, जाओ, एक मरे हुए बकरे को काटो और उसका जो हिस्सा सबसे बढ़िया हो, उसे लेकर आओ। लुकमान ने आदेश का पालन किया और मरे हुए बकरे की जीभ लाकर मालिक के सामने रख दी। जब मालिक ने कारण पूछा कि जीभ ही क्यों लाया? तो लुकमान ने कहा, अगर शरीर में जीभ अच्छी हो, तो सब कुछ अच्छा-ही-अच्छा होता है। अब मालिक ने आदेश देते हुए कहा, अच्छा! इसे उठा ले जाओ और अब बकरे का जो हिस्सा सबसे बुरा हो, उसे ले आओ। लुकमान बाहर गया और थोड़ी ही देर में उसने उसी जीभ को लाकर मालिक के सामने फिर रख दिया।

फिर से कारण पूछने पर लुकमान ने कहा, अगर शरीर में जीभ अच्छी न हो, तो सब बुरा-ही-बुरा होता है। मालिक! वाणी तो सभी के पास जन्मजात होती है, परन्तु बोलना किसी-किसी को ही आता है। क्या बोलें? कैसे शब्द बोलें, कब बोलें? इस कला को बहुत ही कम लोग जानते हैं। इसी जीभ की एक बात से प्रेम झरता है और दूसरी बात से झगड़ा हो जाता है। मेरे हुजूर! कड़वी बातों ने संसार में न जाने कितने झगड़े पैदा किये हैं। इस जीभ ने ही दुनिया में बड़े-बड़े कहर ढाये हैं। जीभ तीन इंच का वो हथियार है, जिससे कोई छह फीट के आदमी को भी मार सकता है, तो कोई मरते हुए इंसान में भी प्राण फूंक सकता है। संसार के सभी प्राणियों में वाणी का वरदान सिर्फ इंसान को ही मिला है। जीभ के सदुपयोग से स्वर्ग पृथ्वी पर उतर सकता है और दुरुपयोग से स्वर्ग भी नरक में बदल सकता है। मालिक, लुकमान की बुद्धिमानी और चतुराई भरी बातों को सुनकर बहुत खुश हुआ और उसने लुकमान को आजाद कर दिया।

सच तो यही है कि मीठी बोली सबको अपना बना लेती है और कड़वी बोली से आदमी किसी का नहीं बन पाता। कविवर रहीम ने तो कड़वी जुबान के बारे में व्यंग्यात्मक दोहा लिखा है।

रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गई सरग पताल।
आपु तो कहि भीतर रही,जूती खाय कपाल।

मित्रों, इतना संकल्प तो हम ले ही सकते हैं कि प्रभु के दिए इस अनूठे वरदान से मीठा बोलें और अगर कोई कड़वा बोल भी जाए, तो उसे सहन कर लें ताकि महाभारत होने से बचा जा सके।

मीठा बोलो गर सखे, सब जग होगा साथ।
कड़वी वाणी बोल कर, होता मनुज अनाथ।

बड़ा खतरा नहीं मगर सतर्कता जरूरी

ज्ञानेन्द्र रावत

देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया के देशों से निगरानी बढ़ाने का आग्रह किया है। संगठन ने दुनिया के देशों को चेताया है कि कोरोना का उप-स्वरूप जे एन-1 तेजी से उभर रहा है और इसमें उतनी ही तेजी से बदलाव हो रहे हैं। इसलिए सभी देश इस बाबत जानकारी लगातार आपस में साझा करते रहें। देश में अब तक पिछली कई लहरों में मिलाकर कोरोना से 5,33,332 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। तकरीब साढ़े चार करोड़ से भी ज्यादा लोग कोरोना से प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा चिंता तो कोरोना के सब वैरिएंट जे एन-1 की है जिसकी चपेट में आने वालों की तादाद तेजी से बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय की मानें तो देश में साल के अंत में उत्तर भारत की तुलना में कोरोना के मरीजों की तादाद में दक्षिण भारत में ज्यादा बढ़ोतरी सामने आ रही है।

कोरोना का यह नया वैरियंट कई देशों में संक्रमण वृद्धि का कारण बन रहा है। आशंका है कि यह नया वैरियंट पिछले वैरियंट के मुकाबले ज्यादा संक्रामक हो सकता है। सबसे खराब हालत तो रूस की है, उसके बाद नम्बर सिंगापुर और फिर इटली का है। वह बात दीगर है कि दिल्ली स्थित आयुर्विज्ञान संस्थान के डाक्टरों का दावा है कि इससे लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना के ऐसे वैरिएंट और लहरें तो आगे भी आयेंगी। लेकिन धीरे-धीरे रुग्णता और इससे होने वाली मृत्यु दर में कमी आती जायेगी। इसलिए सतर्क रहने की जरूरत है। यह भी सत्य है कि डेल्टा जैसा खतरनाक वायरस नहीं आयेगा। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि कोरोना के वायरस मानव शरीर में मजबूती से जीवित रहने या अपना स्वरूप बदलने की कोशिश जरूर करेंगे। ऐसे हालात में जिन लोगों की जीवनशैली बेहतर होगी, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होगी।

नया शोध तो यह भी दावा कर रहा है कि देश में लगभग 93 फीसदी लोगों में कोरोना से लड़ने वाली एंटीबाडी मिली है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि यह नया वायरस ओमिक्रान वायरस से मिलता-जुलता है। हकीकत यह है कि कोरोना का नया वैरियंट जेएन-1 ओमिक्रान सबवैरियंट बीए 2.86 का वंशज है। यह वैरियंट सितम्बर महीने में अमेरिका में सामने आया था। दिसम्बर महीने के आखिरी हफ्ते में तकरीबन 50 फीसदी से अधिक मरीज वहां के अस्पतालों में भर्ती हुए हैं। रायटर्स की मानें तो 15 दिसम्बर को चीन में इस वैरियंट के सात मामले सामने आये थे। सीडीसी के अनुसार भले ही वैरियंट के नाम अलग-अलग दिखते हों, लेकिन स्पाइक प्रोटीन में जेएन-1 और बीए 2.86 के बीच

केवल एक ही बदलाव है। इसीलिए केन्द्र सरकार ने समय रहते सतर्कता बरतने और राज्य सरकारों को तत्काल नमूने इकट्ठे करने के निर्देश दे दिए हैं।

देश में सबसे पहले कोरोना ने केरल में ही अपने पैर पसारे थे। वह मौसम भी सर्दियों का ही था। इसलिए मौसमी बदलावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उस हालत में जबकि इन दिनों मौसमी अनियमितताएं काफी असर दिखा रही हैं। ऐसे माहौल में यह मौसमी बदलाव बीमारियों की जड़ हैं जो इनकी बढ़ोतरी का अहम कारण है। फिर दक्षिणी राज्यों खासकर तमिलनाडु में पिछले दिनों हुई भीषण बारिश ने अपना रौद्र रूप दिखाया है, जिसके चलते राहत एवं बचाव के लिए सेना भी बुलानी पड़ी थी। ऐसी स्थिति में कोरोना के साथ-साथ महामारी का अंदेशा और बढ़ जाता है। हृदय रोगियों को ऐसे हालात से बचाव बेहद जरूरी है।

दिल्ली स्थित एम्स का एक अध्ययन यह साफ कर चुका है कि जो लोग कोविड-19 के ज्यादा गंभीर शिकार रहे हैं, उनको अधिक श्रम नहीं करना चाहिए और इस बारे में दी गयी चेतावनियों का संजीदगी से पालन करना चाहिए। वह बात दीगर है कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान से अब हमने स्वास्थ्य ढांचे में काफी सुधार किया है। सुविधाओं का भी विस्तार हुआ है लेकिन इस सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि चिकित्सा सुविधाओं से वंचित दुनिया की एक बड़ी आबादी हमारे देश की है।

नेशनल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कोविड टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष राजीव जयदेवन के अनुसार सात महीने के अंतराल के बाद भारत में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। जेएन-1 तेजी से फैलने वाला वैरियंट है और यह बाकी वैरियंट्स के संस्करणों से काफी अलग है। कहने को तो इसके लक्षणों में बुखार, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द और पेट से जुड़ी परेशानी अहम हैं। इसके अधिकांश रोगियों में हल्की सांस सम्बंधी दिक्कतों का अनुभव होता है, जो आमतौर पर चार से पांच दिनों में ठीक हो जाता है।

डब्ल्यूएचओ ने इसे वैरियंट आफ इंटरेस्ट नाम दिया है और कहा है कि इससे वैश्विक स्वास्थ्य के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पाल की मानें तो इस वैरियंट से कोरोना के टीके लगवा चुके लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। भले डब्ल्यूएचओ इसे वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिहाज से कम घातक करार दे, लेकिन उत्तरी गोलार्द्ध में सर्दियों की शुरूआत के साथ ही इसकी वजह से सांस सम्बंधी समस्याओं में इजाफा होने से खतरा बढ़ रहा है। मौजूदा हालात इस मामले में समय रहते उपचार की जरूरत पर बल देते हैं। सबसे बड़ी बात दूसरे देशों से आने वाले लोगों की निगरानी बेहद जरूरी है। ध्यान रहे कि कोरोना के खात्मे के बाद देश में अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौट आने, उसमें तेजी आने, समूची दुनिया में आवागमन में तेजी आने और यात्राओं के दौर में दिनोदिन बढ़ोतरी से बीमारियों के देश में आने की आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता। साथ ही इस खतरे से बचाव की सतर्कता सबसे बड़ी शर्त है। यह यात्रा में सावधानी और संक्रमण से बचाव के उपायों के बारे में समुचित प्रचार व प्रसार से ही संभव है।

कड़ाके की ठंड में गर्म कंबल मिलने से लोगों के खिले चेहरे, 50 जरूरतमंद हुए लाभान्वित

डीके फाउंडेशन ऑफ फ्रीडम एंड जस्टिस के बैनर तले हुआ जरूरतमंदों में कंबल का वितरण

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। सर्दी का सीजन शुरू होते ही ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। जिससे गरीब वर्ग के लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। गरीब वा, असहाय और कमजोर वर्ग के लोगों को ठंड से बचाने के लिए शाहगंज में डी के फाउन्डेशन ऑफ फ्रीडम एंड जस्टिस के बैनर तले नए वर्ष के उपलछ में जरूरत मंदो में कंबल बांटे गए कंबल पाकर ठंड से कांप रहे गरीबों के चेहरे खिल उठे। फाउन्डेशन के मुख्य पर्यवेक्षक उत्तरप्रदेश डाक्टर मोहम्मद कामिल ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों की समय पर मदद करने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। इस मौके पर डॉक्टर ईमरान अहमद, खालिद जावेद, हर्षवर्धन सिंह, हाजी मोहम्मद फैजान, राकेश कुमार आदि मौजूद थे।

पुलिस मुठभेड़ में गो-तस्कर घायल व गिरफ्तार, बिना नंबर के चार पहिया वाहन, 4 गोवंश, तमंचा व कारतूस बरामद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन मे व क्षेत्राधिकारी मु0बाद के निकट पर्यवेक्षण में सोमवार को थाना भांवरकोल व स्वाट टीम द्वारा संयुक्त रूप से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के निकास द्वार पर संदिग्ध व्यक्ति व वाहन की चेकिंग की जा रही थी कि जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक बिना नंबर की गोवंश लदी बोलेरो से कुछ गोतस्कर करीमुद्दीनपुर की तरफ से सर्विस लेन पकड़ कर आ रहे हैं जो बिहार जायेंगे। उक्त सूचना से सर्व संबंधित को सूचित कराते हुए थाना भावरकोल व स्वाट टीम के द्वारा अवथही मोड़ पर घेराबंदी कर चेकिंग की जा रही थी कि समय करीब 03.30 बजे करीमुद्दीनपुर की तरफ से एक तेज रफ्तार बोलेरो आता देख पुलिस व एसओजी टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो बोलेरो चालक ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से बोलेरो चढ़ाने की कोशिश की और बोलेरो को अवथही की तरफ लेकर भागने लगा जिसपर संयुक्त टीम द्वारा उसका पीछा किया गया तो अवथही-पखनपुरा लिंक रोड के दाहिने गाड़ी लगाकर बोलेरो सवार द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की जाने लगी जिसके आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया तथा उसका 01 साथी अंधेरे का लाभ उठाकर कर भागने में सफल हो गया। घायल बदमाश को उपचार हेतु जिला अस्पताल गाजीपुर भेजा गया। उक्त घायल बदमाश जनपद बाराबंकी व जनपद गाजीपुर से रु 25,000 का इनामिया भी है। घायल बदमाश के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। घायल व गिरफ्तार अभियुक्त संतोष राजभर पुत्र रामअशीष राजभर निवासी ग्राम करीमुद्दीनपुर थाना करीमुद्दीनपुर जिला गाजीपुर का रहने वाला है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में स्वाट/ सर्विलांस टीम जनपद गाजीपुर, थाना भावरकोल पुलिस टीम शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

दुर्घटना जोन का पीडब्ल्यूडी करा रहा जीर्णोद्धार

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज ब्यूरो। जनपद महाराजगंज के बृजमनगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत भगतपुरवा के पास स्पीड ब्रेकर के कारण कई बार दुर्घटना होने पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि योगेंद्र यादव, अमित पासवान, बबलू चौरसिया की शिकायत पर एवं पत्रकारों द्वारा दुर्घटना जोन की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित करने पर केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद पंकज चौधरी ने संज्ञान लेते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आगाह करते हुए जल्द से जल्द स्पीड ब्रेकर को हटाकर सड़क को दुरुस्त करने के लिए कहा गया था । मामले को गंभीरता से लेते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा स्पीड ब्रेकर को हटाकर तथा आसपास के सभी गढ्ढे को भरकर 100 मीटर तक सड़क का पुनः जीर्णोद्धार किया जा रहा है।सडक का जीर्णोद्वार होने से अब वह दुर्घटना होने की संभावना नहीं है क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है।

बृजमनगंज थानाध्यक्ष ने जनसंवाद के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक महाराजगंज दिशा निर्देश पर जिले के सभी थाने पर जनता के बीच पुलिस की अच्छी छवि बनाने के लिए आज जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसी क्रम में बृजमनगंज थाने पर क्षेत्र के ग्रामीण पत्रकार बंधु जनप्रतिनिधियों व्यापारियों को बुलाकर थानाध्यक्ष श्याम सुंदर तिवारी ने अपने विचारों को रखा तथा वहां उपस्थित लोगों की बातें सुनी।तथा सभी उपस्थित लोगों को जलपान कराते हुए नव वर्ष की शुभकामनाये दी।इस दौरान एस आई अमित कुमार राय,कास्टेबल विनोद कुमार, बलिराम यादव, जनप्रतिनिधि सभासद जयप्रकाश गौड़, जितेंद्र कुमार, रवि यादव, वरिष्ठ पत्रकार विनय पाठक, उमाशंकर उपाध्याय, सुवाष यादव,शिवप्रकाश,जगदम्बा जायसवाल, सौरभ जायसवाल, गौरव जायसवाल, मधुर श्याम सहित सैकड़ों महिलाएं पुरुष मौजूद रहे।

रोडवेज बस की हड़ताल से यात्री रहे परेशान बाईपास बस स्टैंड पर सवारी की आवाजाही पर पड़ा असर घंटो इंतजार करते रहे यात्री

प्रखर संतकबीरनगर। आपको बताते चले की हिट एंड रन के मामले में जहां सरकार ने नया कानून बनाया है वही कानून के विरोध में अब चालक हड़ताल पर चले गए हैं। इसका सीधा असर आवागमन पर पड़ा है। यात्री घर से निकले थे गंतव्य स्थान को जाने के लिए लेकिन हड़ताल के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य स्थान पहुंचने में काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ा रहा है। रोडवेज बस ड्राइवर के हड़ताल से यात्रियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है महिलाएं बुजुर्ग बच्चों को घंटो तक बस स्टैंड पर खड़े रह रहे हैं लेकिन बसों के ना आने जाने से इन यात्रियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।वही कुछ यात्रियों ने बताया ले मैं चार पांच घंटे से खड़ा हु ,लिकिन कोई भी रोडवेज की बस नही आई। मुझे लखनऊ जाना था इलाज के लिए मगर इस हड़ताल के चलते पहुंचना मुस्किल दीख रहा हैं।अगर मुझे मालूम होता तो मैं घर से नही निकलता। दर्जनों की संख्या में यात्री खलीलाबाद बाईपास पर घंटो से रोडवेज बस का इंतजार करते रहे लेकिन यात्री वाहन नजर नहीं आए। गौरतलाब बात है कि यह हड़ताल अगर लंबी खिंची तो यात्रा के साथ-साथ जरूरत की चीजों पर भी इसका बुरा असर पड़ सकता है।

श्री आदि महादेव काशी धर्मालय मुक्ति न्यास द्वारा जिलाधिकारी एवं मंडलायुक्त वाराणसी को दिया गया ज्ञापन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्री आदि महादेव काशी धर्मालय मुक्ति न्यास द्वारा अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत काशी धार्मिक नगरी घोषित हो एवं पंचकोसी क्षेत्र अंतर्गत अविमुक्त क्षेत्र में मांस, मछली,अंडा की बिक्री एवं वैध- अवैध बूचड़खानों एवं कत्लखानों को तत्काल बंद करने के सम्बंध में एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उ.प्र.को द्वारा जिलाधिकारी वाराणसी एवं मंडलायुक्त वाराणसी परिक्षेत्र को दिया गया। जिसमें न्यास के प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से संजीव चंद्र त्रिपाठी,अनुराग त्रिवेदी, डॉक्टर सोहनलाल आर्य, शशांक शेखर त्रिपाठी अधिवक्ता, जितेंद्र तिवारी अधिवक्ता, महेश प्रसाद पांडे अधिवक्ता,पवन पाठक अधिवक्ता,आचार्य अजय पांडे, बांकेलाल ,आशीष गुप्ता, माधव प्रसाद पांडे अधिवक्ता, दीपक कुमार सिंह अधिवक्ता, सत्य प्रकाश आर्य, ईश्वर चंद्र मिश्रा, विकास शाह, राकेश कुमार अग्रवाल, राजकुमार पटेल, डॉक्टर अनिल सिंह, गिरी श्रीवास्तव, रामकुमार विश्वकर्मा, आशीष शर्मा, आशीष गुप्ता, डॉ राम प्रसाद सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

लगातार तीन बार प्रथम आने पर पटल सहायक हुए सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील द्वारा आईजीआरएस के निस्तारण में लगातार तीन बार प्रदेश में प्रथम स्थान मिलने पर एसडीएम पिंडरा ने पटल सहायक को अंग वस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा ने सितंबर, अक्टूबर व नवम्बर माह में प्रथम स्थान दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले आईजीआरएस पटल सहायक नरेंद्र कुमार को अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान तहसीलदार विकास पांडेय, नायब तहसीलदार राधेश्याम यादव, श्वेता सिंह पटेल, स्टेनो प्रदीप मौर्य समेत अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

3 आरक्षी के सहारे चल रही हैं कटे चौकी, 35 गांव की सुरक्षा व्यवस्था राम भरोसे

प्रखर संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार एक तरफ यूपी पुलिस को अत्याधुनिक हथियारों तथा हाईटेक सुविधाओं से लैस कर रही हैं । वही संतकबीरनगर आरक्षीयो की कमी से जूझ रहे हैं पुलिस थाने और चौकीया। एक तरफ यूपी सरकार अपराध तथा अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस को उच्च गुणवत्ता का पाठ पढ़ा रही हैं तो पुलिस जवानों की कमी भी खल रही हैं। ताजा मामला संतकबीरनगर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के काटे पुलिस चौकी का हैं। जहा पर सिर्फ 3 पुलिस जवानों के सहारे 35 गांव की सुरक्षा व्यवस्था हैं। ठंड के मौसम में जगह-जगह चोरी और सड़क दुर्घटनाएं भी बहुत ज्यादा बढ़ जाती हैं अब ऐसे में 35 गांव के नागरिकों की सुरक्षा की व्यवस्था तथा 15 किलोमीटर हाईवे की मॉनिटरिंग करना कितना मुमकिन हैं दो सिपाही व एक दरोगा के सहारे।

नादान परिन्दे साहित्य मंच ने पत्रकार एवं रचनाकारों का सम्मानित कर मनाया नव वर्ष 2024

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लंका स्थित नादान परिन्दे साहित्य मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० सुबाष चन्द्र के अध्यक्षता में मंच के प्रमुख संरक्षक प्रकाश कुमार श्रीवास्तव "गणेश" एवं स्वागत संरक्षक कवि इन्द्रजीत निर्भीक के संरक्षण में प्रख्यात कवियत्री एवं मंच की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष झरना मुखर्जी के संचालन में नव वर्ष अभिनन्दन रचनाकार एवं पत्रकार मिलन समारोह में उपस्थित रचनाकारों एवं पत्रकारों/छायाकारों का अभिनन्दन करते हुए डॉ० सुबाष चन्द्र ने कहा कि रचनाधर्मिता करते हुए से जुड़े लोग एक हो एवे पत्रकारिता दोनों क्षेत्रों से जुड़े लोग एक ही जिस्म दो जान की तरह है मानव समाज की विकृतियों के शमन के लिएहम सबको निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास करना चाहिए। प्रमुख संरक्षक प्रकाश कुमार श्रीवास्तव "गणेश "एवं कवि इन्द्रजीत

निर्भीक ने अपने -अपने सम्बोधन में कहा कि रचना धर्मिता एवं पत्रकारिता मानव समाज का दर्पण है जिसको हम सबको पारदर्शी बनाए रखने का सतत प्रयत्न करना चाहिए। झरना मुखर्जी ने टुकड़ों में बिखरना नहीं जुड़ना है जिन्दगी सुनाकर जीवन की सार्थकता का चरित्र चित्रण किया। सम्मानित होने वालो में मुख्य रूप से सन्तोष कुमार सिंह, रवीन्द्र गुप्ता, प्रदीप कन्नौजिया, मुकेश पाण्डेय, जमील अख्तर, प्रेम शर्मा, विशाल चौरसिया, आशीष मोदनबाल सहित दर्जनों पत्रकार रचनाकार हुए सम्मानित। पत्रकार सम्मान समारोह में मुख्य रूप से नादान परिन्दे साहित्य मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० सुबाष चन्द्र ,प्रमुख संरक्षक प्रकाश कुमार श्रीवास्तव "गणेश", कोषाध्यक्ष झरना मुखर्जी (कवियत्री), स्वागत संरक्षक कवि इन्द्रजीत निर्भीक उपस्थित रहे।

कायस्थ महासभा ने मनाई डा. संपूणार्नंद की जयंती व शान्ति स्वरूप भटनागर की पुण्यतिथि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वाधान में महासभा के जिलाध्यक्ष अरूण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता मे उन्हीं के चंदन नगर स्थित आवास पर महान साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं राजनेता डा.सम्पूर्णानन्द जी की जयंती एवं महान वैज्ञानिक शान्ति स्वरूप भटनागर की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचारगोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी आरंभ होने के पुर्व महासभा के सभी कार्यकताओं ने इन दोनों महापुरूषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करते हुए उनके बतायें रास्तें पर चलने का संकल्प लिया। महासभा के जिलाध्यक्ष अरूण कुमार श्रीवास्तव ने इन दोनों महापुरूषों को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डा.सम्पूर्णानन्द जी एक महान साहित्यकार,शिक्षाविद् होने के साथ साथ एक महान राजनेता थे। वह प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री चुने गये थे। वह 1962में राजस्थान के राज्यपाल भी बनाये गये। उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि वह अपने चुनाव क्षेत्र में वोट मांगने के लिए कभी भी नही गये। इसके बावजूद वह हमेशा भारी मतो से चुनाव जीतते रहे। इसके साथ साथ जब उनका निधन हुआ तो उनकी शवयात्रा में इतनी जनता उमड़ी कि सड़कों पर तिल रखने की जगह नही थी। उनकी अर्थी को जनसमुद्र के ऊपर से किसी तरह

खिसकाते हुए घाट तक पहुंचाया जा सका। उनकी अर्थी लोगों के सिरों के ऊपर से ऐसे गुजरी जा रही थी कि मानों नदी में नाव चल रही हो। यह उनकी अपार लोकप्रियता का ही प्रमाण था।उन्होंने शान्ति स्वरूप भटनागर को भी नमन करते हुए कहा कि वह वैज्ञानिक और औधोगिक अनुसंधान परिषद के पहले निदेशक और विश्वविधालय अनुदान आयोग के पहले अध्यक्ष थे। उन्हीं के नाम से शान्ति स्वरूप भटनागर पुरस्कार की स्थापना हुई जो हर वर्ष विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले वैज्ञानिकों को हर वर्ष दिया जाता है। इस अवसर पर एशिया के सबसे बड़े शैक्षणिक ट्रस्ट केपी ट्रस्ट प्रयागराज के पंचवर्षीय चुनाव मे अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के समर्थित प्रत्याशी डा.सुशील सिन्हा केविजयी होने पर खुशी जतायी गयी। कार्यक्रम के अंत में सैदपुर तहसील अन्तर्गत देवकली ग्राम के रामलीला कमेटी के प्रबंधक अरविंद कुमार श्रीवास्तव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गयी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव,मनीष श्रीवास्तव, मोहन लाल श्रीवास्तव, अमरनाथ श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, हर्ष श्रीवास्तव, प्रियांशु श्रीवास्तव, आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अरूण सहाय ने किया।

भट्ट ब्राह्मण महासभा काशी द्वारा किया गया बैठक

प्रखर वाराणसी। भट्ट ब्राह्मण महासभा काशी द्वारा कोर समिति एवं संगठन समिति से विचार विमर्श करने के बाद भट्ट ब्राह्मण महासभा काशी के महामंत्री अवधेश राय ने कार्यकारिणी की ग्राम सभा चांदपुर में बुलायी मीटिंग मीटिंग की अध्यक्षता पंडित सुभाष चंद्र शर्मा कर रहे थे महामंत्री पंडित अवधेश राय ने कार्यकारी के सभी सदस्य एवं पदाधिकारी को संगठन में चल रहे कार्य कलापों के बारे में अवगत कराया कसम परेड के बाद संगठन को अध्यक्ष जी का समय ना मिल पाना तथा संगठन समूह को छोड़कर चले जाना एवं कार्यकारी के लोगों से कोई प्रकार का संवाद ना स्थापित करना अत्यंत दुःखद है। महामंत्री ने कार्यकारी के सभी सदस्यों से बातकर उनकी सहमति से मीटिंग में प्रस्ताव लाया की वर्तमान अध्यक्ष बसंत राय को भट्ट ब्राह्मण महासभा काशी के अध्यक्ष पद से मुक्तकर उनके जगह पर कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में एडवोकेट आनंद राय निवासी ग्राम शहंशाहपुर वाराणसी को नियुक्त किया जाता है इस प्रस्ताव को कोर कमेटी के सभी सदस्यों ने अपना सहमति दर्ज किया जो लोग नहीं उपस्थित थे।

बृजमनगंज थाना क्षेत्र मे हड़ताल पर ट्रक ड्राइवर वाहन चालकों ने किया प्रदर्शन

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। देश में लागू होने जा रहे नए हिट एंड रन कानून के खिलाफ ट्रांसपोर्टर और ट्रक ड्राइवर हड़ताल पर चले गए हैं। भारतीय न्याय संहिता के नये कानून मे हिट एंड रन के मामलों में दोषी ड्राइवर पर 7 लाख रुपए तक का जुमार्ना और 10 साल की सजा का प्रावधान है। इसके बाद से देशभर में ट्रक ड्राइवर और ट्रांसपोर्ट यूनियन द्वारा हड़ताल शुरू हो गई है। इसी क्रम में बृजमनगंज थाना क्षेत्र में सोना बंदी चौराहे पर टेंपो चालकों ने कानून हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया प्रदर्शन किया तथा एफसीआई गोदाम से लेकर बनगढिया कोमल चौराहा होते हुए दुर्गा मंदिर मोड़ तक ट्रैकों का काफिला लगा हुआ है जिसमें माल लदे हुए हैं परंतु उतारा नहीं जा रहा है।

ट्रकों की हड़ताल से जरूरी चीजों के दाम बढ़ेंगे- इस हड़ताल का आम आदमी पर सीधा असर देखने को मिलेगा। ट्रकों की हड़ताल होने से दूध, सब्जी और फलों की आवक नहीं होगी और कीमतों पर इसका सीधा असर देखने को मिलेगा। वहीं, पेट्रोल-डीजल की सप्लाई रुक जाएगी, जिससे लोकल ट्रांसपोर्ट और आम लोगों को आवाजाही में दिक्कत होगी। भारत में 28 लाख से ज्यादा ट्रक हर साल 100 अरब किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करते हैं। देश में 80 लाख से ज्यादा ट्रक ड्राइवर हैं, जो हर दिन जरूरत का सामान एक शहर से दूसरे

शहर ट्रांसपोर्ट करते हैं। हड़ताल के कारण इतनी बढ़ी संख्या में ट्रकों के रुकने से जरूरी चीजों की किल्लत हो सकती है। हिट एंड रन कानून पर विचार करे सरकार। AIMTC की अगली बैठक 10 जनवरी को होगी। इसमें फैसला लिया जाएगा कि अगर सरकार उनकी मांगे नहीं मानती, तो किस तरह से सरकार के सामने अपना पक्ष रखा जाए।

आईआईटी बीएचयू में गैंगरेप पीड़िता के बलात्कारियों को 60 दिन से कौन बचा रहा था : धनंजय त्रिपाठी

प्रखर वाराणसी। 1 जनवरी 2024 को बीएचयू गेट पर साझा संस्कृति मंच के सदस्यों के साथ भारी संख्या में इल्व छात्र छात्रा प्रदर्शन किए। आईआईटी बीएचयू में गैंगरेप पीड़िता के बलात्कारियों को 60 दिन से कौन बचाए हुए थे सवाल उठाते हुए छात्रों और नागरिक समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। ज्ञातव्य है कि विगत 1 नवंबर की रात आईआईटी बीएचयू परिसर में एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की शर्मनाक घटना को अंजाम दिया गया। दो महीने बाद 31 दिसंबर को तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये आरोपी भाजपा के पदाधिकारी हैं। इनकी पहुँच पार्टी के शीर्ष नेताओं तक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के साथ इन आरोपियों की तस्वीरें उपलब्ध हैं। यह कोई पहली घटना नहीं जब अपराधी या बलात्कारी का संबंध भाजपा से है। भाजपा और आरएसएस जैसे संगठनों ने देश में राजनीतिक स्तर

को इतना नीचे गिरा दिया है कि अपराधी होना इन संगठनों में प्रोमोशन की आवश्यक शर्त बन चुकी है। कठुआ, उन्नाव, सोनभद्र से लेकर हाथरस तक हुए बलात्कर की घटनाओं में बीजेपी नेता या तो संलिप्त मिले या फिर अपराधियों के साथ खड़े पाए गए। मणिपुर में सैकड़ों महिलाओं के साथ बलात्कर होता रहा लेकिन प्रधानमंत्री की चुप्पी नहीं टूटी। महिला पहलवान पिछले एक साल से न्याय की माँग कर रहे हैं लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। बिल्किस बानो के बलात्कारियों को पहले जेल से रिहा कराना और फिर उनका फूल माला से स्वागत, भाजपा के असली चाल चरित्र चेहरे को उजागर करता है। सरकार द्वारा की जाने वाली नकारात्मक कार्यवाहियों के कारण भाजपा नेताओं में ऐसे अपराध करने की प्रवृत्ति विकसित होती जा रही हैं। सरकार द्वारा लगातार ऐसे अपराधियों का मनोबल बढ़ाया जा रहा है। भाजपा ने ही सोशल मीडिया ट्रोलिंग की संस्कृति विकसित जहाँ महिला विरोधी गाली गलौच करना इनके कार्यकताओं की दिनचर्या का हिस्सा हो गया। बीएचयू गैंगरेप मामले में ही अपराधियों पर कार्यवाही के बजाय पीड़िता को न्याय दिलाने की माँग करने वाले छात्र छात्राओं पर झूठे मुकदमें लादे गए। एबीवीपी को प्रदर्शनकारी छात्र छात्राओं पर हमले की खुली छुट दे दी गयी। पूरा पुलिस महकमा और प्रशासन हमलावर एबीवीपी के साथ खड़ा दिखा। एक तरफ सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा देती है दूसरी तरफ पढाई करने आई बेटियां अपने ही कैंपस में सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार यूपी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में पहले स्थान पर है। एनसीआरबी, 2023 के आंकड़ों के अनुसार बनारस में हर छठवें दिन बलात्कार की घटना हो रही है। इन आंकड़ो के अनुसार ही बनारस में 18 वर्ष से कम उम्र के 46 बच्चे बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटना हुई वहीं महिलाओं के साथ रेप के 61 मामले आए हैं।

बीएचयू परिसर में इस घटना के बाद प्रशासन द्वारा पुलिस की तैनाती और छात्राओं पर कर्फ्यू टाइमिंग थोपकर उन्हें हॉस्टल में कैद करने की कवायद शुरू हो गयी है। जबकि एनसीआरबी के आंकड़ें इस बात की गवाही दे रहे हैं कि जो इलाके पूरी तरह से पुलिस के नियंत्रण में हैं वहाँ छेड़खानी, बलात्कार जैसे अपराध बढ़ ही रहे हैं। एक लंबे समय से बीएचयू में विशाखा गाइडलाइंस को लागू कर GSCASH के गठन की माँग चल रही है जिसे प्रशासन द्वारा नजरंदाज किया जाता रहा है।

बीएचयू गैंगरेप की पीड़िता को न्याय दिलाने और अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही की माँग को लेकर आज साझा संस्कृति मंच द्वारा बीएचयू के लंका गेट पर एक प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इसमें साझा संस्कृति मंच के आह्वान पर बनारस के नागरिक समाज के लोग और छात्र छात्राएं शामिल हुए। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से, जागृति,संजीव सिंह,राणा रोहित, फादर आनंद, महेंद्र राठौर,धनंजय त्रिपाठी रोशन, राजीव नयन, पाटिल, मुरारी, अमन, दीपक, जितेंद्र, चंदा ,सतीश सिंह, विपिन कुमार, जितेंद्र कुमार, निधि, रेनी, नीति, आदित्य सेठ, स्वेता, अनुरीति, सोनाली, मिहिर, अमन, कुलदीप, अमन यादव, हरिशचंद्र बिंद,राहुल , प्रियदर्शन, मीना,प्रिया, तौफीक नदीम, अदिति, सानिया, शिवराज, शशि इत्यादि शामिल रहे।

2024 में फिल्म इंडस्ट्री पर 3,765 करोड़ का दांव

शाहरुख लेंगे ब्रेक, अक्षय की 5 फिल्में होंगी रिलीज

नया साल नई उम्मीदें, नया रोमांच और नई कहानियां लेकर आ रहा है। ऐसे में जानते हैं कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री में इस साल कितनी नई कहानियां आने वाली हैं। इस साल फिल्म इंडस्ट्री में तकरीबन 3765 करोड़ रुपए का दांव लगा है। 2024 में बॉलीवुड की कुछ बड़ी और एक्साइटिंग फिल्में रिलीज को तैयार हैं।

New Year स्पेशल

जनवरी में पहली बार ऋतिक-दीपिका साथ नजर आएंगे

1. फाइटर

ये पहली दफा है जब ग्रीक गॉड कहे जाने वाले ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण एक-साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे। सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का बजट 250 करोड़ है। मेकर्स इस फिल्म को इंडिया की पहली एरियल एक्शन फ्रेंचाइजी के तौर पर डेवलप करने का प्लान बना रहे हैं। मन में देशभक्ति की भावना जगाने वाली ये फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज को होगी। फिल्म में अनिल कपूर भी अहम किरदार में दिखेंगे।

2. मैरी क्रिसमस

हालांकि क्रिसमस को गुजरे अभी चंद दिन ही हुए हैं, ऐसे में कटरीना कैफ और विजय सेतुपति अपनी ऑडियंस के लिए 12 जनवरी को क्रिसमस का तोहफा लेकर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक रात की है- जहां विजय और कटरीना की मुलाकात क्रिसमस के दिन होती है और फिर वो साथ में सेलिब्रेशन करने का फैसला करते हैं। मगर ये रात कटरीना और विजय के लिए काफी भारी पड़ जाती है। इस सस्पेंस-रोमांटिक ड्रामा में उस रात ऐसा क्या होता है, ये देखना दिलचस्प होगा। अंधाधुन और बदलापुर जैसी सरप्राइज हिट्स दे चुके डायरेक्टर श्रीराम राघवन, अब मैरी क्रिसमस लेकर आ रहे हैं।

इस साल क्या होगा खास?

- बिग बी और रजनीकांत 33 साल बाद साथ दिखेंगे।
- शाहरुख खान ब्रेक लेंगे।
- 25 साल बाद सलमान और करण जौहर साथ काम करेंगे।
- अक्षय कुमार 5 फिल्मों में नजर आएंगे।
- कार्तिक आर्यन की 2 फिल्में रिलीज होंगी।
- पहली बार आलिया भट्ट एक्शन अवतार में दिखेंगी।
- ओ स्त्री कल आना.. की स्त्री फिर से दस्तक देगी।
- अगस्त में आएगी क्रांति जब आमने-सामने होगा बॉलीवुड और टॉलीवुड।

3. मैं अटल हूं: पिछला साल पंकज त्रिपाठी के लिए शानदार साबित हुआ। जहां उनकी ओएमजी 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की, वहीं लोगों को विश्वास भी दिला दिया कि पंकज त्रिपाठी मेन लीड बनकर फिल्म चला सकते हैं। उम्मीद है कि इस साल भी पंकज त्रिपाठी अपना जादू बरकरार रखेंगे। 19 जनवरी को रिलीज हो रही फिल्म 'मैं अटल हूं' में पंकज पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। रवी जाधव के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर आधारित है। फिल्म की घोषणा 25 दिसंबर 2022 को अटल जी के जन्म दिवस पर की गई थी। फरवरी में विद्युत जामवाल का एक्शन और अक्षय का दिलचस्प अवतार दिखेगा

1. क्रैक- जीतेगा.. तो जीएगा: दिल दहला देने वाले स्टंट और एक्शन सींस 23 फरवरी को देखने के लिए तैयार हो जाइए। विद्युत जामवाल जो कि हमेशा अपने एक्शन सीन खुद ही परफॉर्म करने के लिए जाने जाते हैं, एक नेवर सीन अवतार में दिखेंगे। फिर चाहे स्केटिंग में फाइट सीन हो, या माउंटेन क्लाइंबिंग का थ्रिल। कुत्ते और भेड़ियों से भिड़ने का रिस्क हो या एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स एक्शन। आदित्य दत्त के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में ये सब देखने को मिलेगा।

जनवरी में रिलीज होने वाली फिल्म

फाइटर, रिलीज 25 जनवरी बजट: 250 करोड़,
मैरी क्रिसमस रिलीज 12 जनवरी 60 करोड़,
मैं अटल हूं रिलीज 19 जनवरी बजट: 1

फरवरी में रिलीज होने वाली फिल्म

सोरारई पेटरु रिलीज: 16 फरवरी बजट: 15 करोड़ रुपए

मार्च में रिलीज होने वाली फिल्म

एक्सीडेंट या कान्सिपरेसी गोधरा रिलीज: 1 मार्च बजट: 10 करोड़,नूरानी चेहरा रिलीज: 2 मार्च बजट: 10 करोड़ रुपए
योद्धा रिलीज: 15 मार्च बजट: 60 करोड़ रुपए

अप्रैल में रिलीज होने वाली फिल्म

देवरा रिलीज:3 अप्रैल बजट: 300 करोड़ रुपए
बड़े मियां छोटे मियां रिलीज:10 अप्रैल बजट: 300 करोड़ रुपए

मई में रिलीज होने वाली फिल्म

वीडी 18 रिलीज:30 मई बजट: 250 करोड़ रुपए

जून में रिलीज होने वाली फिल्म

चंदू चैंपियन रिलीज:14 जून बजट: 100 करोड़ रुपए

जुलाई में कोई फिल्म रिलीज नहीं होगी

अगस्त में रिलीज होने वाली फिल्म

पुष्पा-2 द रूल रिलीज:15 अगस्त बजट: 500 करोड़ रुपए
सिंघम अगेन रिलीज: 15 अगस्त बजट: 200 करोड़ रुपए
स्त्री-2 रिलीज: 30 अगस्त बजट: 20 करोड़ रुपए

सितंबर में रिलीज होने वाली फिल्म

जिगरा रिलीज 27 सितंबर, 2024, बजट 150 करोड़ रुपए

अक्टूबर में रिलीज होने वाली फिल्म

स्कायफोर्स रिलीज 2 अक्टूबर, 2024, बजट 100 करोड़ रुपए

नवंबर में रिलीज होने वाली फिल्म

इमरजेंसी नवंबर 2024,
बजट 50 करोड़ रुपए
भूलभुलैया-3
रिलीज: दिवाली 2024, बजट 80 करोड़ रुपए

दिसंबर में रिलीज होने वाली फिल्म

वेलकम टू द जंगल रिलीज 20 दिसंबर बजट 100 करोड़ रुपए

हिट एंड रन कानून का विरोध हड़ताल पर बैठे ट्रक ड्राइवर

कई राज्यों में चक्काजाम और प्रदर्शन, नए कानून में 10 लाख जुर्माना, 7 साल सजा

नई दिल्ली ■

देश में लागू हुए नए हिट एंड रन कानून के खिलाफ ट्रांसपोर्टर और ट्रक ड्राइवर हड़ताल पर चले गए हैं। भारतीय न्याय संहिता 2023 में हुए संशोधन के बाद हिट एंड रन के मामलों में दोषी ड्राइवर पर 7 लाख रुपए तक का जुर्माना और 10 साल तक कैद का प्रावधान है।

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने हिट एंड रन कानून को सख्त बनाने का विरोध किया है। संगठन ने चक्काजाम का आह्वान किया। इसके बाद से देशभर में हड़ताल शुरू हो गई है। ट्रक ड्राइवरों और ट्रांसपोर्टर्स ने शनिवार 30 दिसंबर को जयपुर, मेरठ, आगरा एक्सप्रेस वे सहित कई हाईवे पर प्रोटेस्ट किया।

हिट एंड रन कानून पर विचार करे सरकार: एआईएमटीसी की अगली बैठक 10 जनवरी को होगी। इसमें फैसला लिया जाएगा कि अगर सरकार उनकी मांगे नहीं मानती, तो किस तरह से सरकार के सामने अपना पक्ष रखा जाए। नए प्रावधान को लेकर अपनी चिंता जाहिर करते हुए एआईएमटीसी के अध्यक्ष अमृत मदान ने कहा कि हिट एंड रन के मामलों में कड़े कदम उठाने की जरूरत जरूर है। इस नए कानून के पीछे सरकार का इरादा अच्छा है, लेकिन प्रस्तावित कानून में कई खामियां हैं। इन पर दोबारा सोचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान परिवहन क्षेत्र और ट्रक चालकों का है। भारत इस समय वाहन चालकों की कमी से जूझ रहा है, लेकिन सरकार का इस और कोई ध्यान नहीं है।

गुजरात में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

गुजरात में ट्रक चालकों ने राजकोट-अहमदाबाद हाईवे बंद कराने की कोशिश की, जिससे लंबा जाम लग गया। इस दौरान भीड़ में से कुछ लोगों ने एक बस की खिड़की के कांच तोड़ दिए। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया जिसमें कुछ लोग घायल हो गए। यहां कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ट्रकों की हड़ताल से जरूरी चीजों के दाम बढ़ेंगे

इस हड़ताल का आम आदमी पर सीधा असर देखने को मिलेगा। ट्रकों की हड़ताल होने से दूध, सब्जी और फलों की आवक नहीं होगी और कीमतों पर इसका सीधा असर देखने को मिलेगा। वहीं, पेट्रोल-डीजल की सप्लाई रुक जाएगी, जिससे लोकल ट्रांसपोर्ट और आम लोगों को आवाजाही में दिक्कत होगी। भारत में 28 लाख से ज्यादा ट्रक हर साल 100 अरब किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करते हैं। देश में 80 लाख से ज्यादा ट्रक ड्राइवर हैं, जो हर दिन जरूरत का सामान एक शहर से दूसरे शहर ट्रांसपोर्ट करते हैं। हड़ताल के कारण इतनी बढ़ी संख्या में ट्रकों के रुकने से जरूरी चीजों की किल्लत हो सकती है।

रूस पर क्लस्टर बम से हमला, 21 की मौत

नई दिल्ली। रूस में शनिवार को यूक्रेन की तरफ से हुए हमले में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 111 लोग घायल हुए हैं। रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने ये हमला क्लस्टर बमों से किया। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। हमला रूस के बेलगोरेद शहर पर हुआ। जो यूक्रेनी सीमा से सिर्फ 30 किमी की दूरी पर है और यूक्रेन के खार्कीव, लुहांस्क, सूमी इलाकों से सटा हुआ है। अलजजीरा के मुताबिक 2022 में शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग के बाद रूस ने शुक्रवार को इन इलाकों पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया था। रूस ने 120 मिसाइलें दागी थीं। इसमें 41 यूक्रेनियों की मौत हो गई थी। इसी हमले के बाद शनिवार को यूक्रेन ने रूस पर हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि वो शनिवार को हुए इस हमले का बदला जरूर लेंगे। रूस ने यूक्रेन के ड्रोन अटैक को आतंकी हमला कहा है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, हमले का बदला जरूर लेंगे

हूती विद्रोहियों की 3 बोट तबाह 34 मिनट में किया ऑपरेशन

लाल सागर में यूएस नेवी की पहली कार्रवाई

सना/वॉशिंगटन। लाल सागर में दुनिया के तमाम देशों के सिरदर्द बनते जा रहे यमन के हूती विद्रोहियों को रविवार को बड़ा झटका लगा। एक कार्गो शिप पर कब्जे की कोशिश कर रहे हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी नेवी ने ऑपरेशन किया। नेवी हेलिकॉप्टर्स ने सिर्फ 34 मिनट में हूती विद्रोहियों की तीन नावों को बमबारी में तबाह करके उन्हें समंदर में डुबा दिया। लाल सागर में अमेरिकी नेवी के कमान संभालने के बाद यह अब तक का सबसे बड़ा मिलिट्री ऑपरेशन है।

कैसे ऑपरेशन को दिया अंजाम

'वॉइस ऑफ अमेरिका' की रिपोर्ट के मुताबिक- रविवार सुबह अमेरिकी नेवी का अलर्ट मिला था कि हूती विद्रोहियो डेनमार्क के कार्गो शिप को हाईजैक करने वाले हैं। इसके बाद लाल सागर यानी रेड सी में तैनात वॉरशिप आनजनहॉवर को अलर्ट किया गया। इस पर तैनात नेवी हेलिकॉप्टर्स ने कुछ देर बाद डेनमार्क के शिप की तरफ रुख किया।

मध्यप्रदेश-राजस्थान समेत सात राज्यों में घना कोहरा

नई दिल्ली/भोपाल। साल 2023 के आखिरी दिन मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश समेत उत्तर भारत के 7 राज्यों में घना कोहरा देखने को मिला। असम के जोरहाट, पंजाब के पठानकोट-बठिंडा, जम्मू और आगरा में जीरो विजिबिलिटी रिकॉर्ड की गई। कोहरे के कारण दिल्ली के आसपास की 23 ट्रेनें अपने निर्धारित समय से लेट चल रही हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में तापमान फ्रीजिंग पाइंट के नीचे पहुंच गया है। श्रीनगर में टेम्प्रेचर माइनस 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अनंतनाग में -3.4 और गुलमर्ग में -3.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और नॉर्थ राजस्थान के कई इलाकों में रविवार सुबह (31 दिसंबर) तापमान 7 से10 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

23 से ज्यादा ट्रेनें लेट

आईएमडी के मुताबिक मध्य भारत में 24 घंटे में दिन का तापमान घटेगा। इसका मतलब मध्य प्रदेश-राजस्थान में नए साल के पहले दिन ठंड और बढ़ेगी। उत्तर भारत के अलावा झारखंड और ओडिशा के भी कुछ हिस्सों में आज कोहरा छाया रहेगा। वहीं, तमिलनाडु, दक्षिणी केरल, लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार और नॉर्थ-ईस्ट के कुछ हिस्सों में आज हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग की एडवाइजरी- ड्राइविंग में सावधानी रखें : ट्रैफिक - कोहरा होने पर गाड़ी चलाते समय या किसी ट्रांसपोर्ट के जरिए ट्रैवल करते समय सावधान रहें। ड्राइविंग धीरे करें और फॉग लाइट का इस्तेमाल करें। ट्रैवल शेड्यूल के लिए एयरलाइंस, रेलवे और स्टेट ट्रांसपोर्ट के संपर्क में रहें। एयरलाइंस कंपनियों ने यात्रियों से कहा है कि वे एयरपोर्ट रवाना होने से पहले उड़ानों की स्थिति चेक कर लें।

पुतिन ने राष्ट्रपति मुर्मू व पीएम मोदी को भेजी नए साल की बधाई

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं।

मोदी को दिया रूस आने का न्योता

पुतिन ने अपने संदेश में जोर दिया है कि दुनिया के चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद भारत-रूस के संबंध आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने 2023 में दोनों देशों के संबंधों में अहम प्रगति होने और द्विपक्षीय सहयोग बढ़ने की बात कही है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन्होंने रूस आने का न्योता भी दिया है। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी को भेजे संदेशों में कहा है कि कठिन अंतरराष्ट्रीय स्थितियों के बावजूद रूस -भारत में रणनीतिक साझेदारी गतिशील तरीके से विकसित हो रही है। 2023 में व्यापार असाधारण तौर पर तेजी से बढ़ा व विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया।

मणिपुर में आईईडी ब्लास्ट 4 पुलिसकर्मी घायल, क्रॉस फायरिंग में 4 जवान जख्मी

इंफाल। मणिपुर में हमलावरों ने शनिवार को सुरक्षा बलों के वाहन पर आईएमडी से हमला कर दिया। इसमें 4 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल उनका इलाज 5 असम राइफल्स कैंप में चल रहा है। इधर रविवार दोपहर में भी क्रॉस फायरिंग हुई है, जिसमें कुछ लोग घायल हो गए। रविवार शाम 3.30 बजे कुकी विद्रोहियों ने आरपीजी का इस्तेमाल करके कमांडो कॉम्प्लैक्स पर हमला किया, जिसमें चार और जवान घायल हो गए। इस फायरिंग में मोरेह पुलिस कॉम्प्लैक्स के फर्नीचर, दरवाजे और कुछ प्रॉपर्टीज को डैमेज हो गई।

रविवार को ही मैतेई और कुकी क्षेत्रों से कौट्रुक और कदंगबल क्षेत्रों में भी क्रॉस फायरिंग हुई।

रविवार को ही इंफाल ईस्ट के ताबुंगखोक इलाके में दो समूहों में गोलीबारी में एक विलेज वॉलेंटियर घायल हो गया। जब गोलीबारी शुरू हुई तो सी लामयांबा को गांव की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इससे पहले, टेंग्नौपाल के मोरेह में शनिवार दोपहर 3.30 बजे हुई थी। उपद्रवियों ने पुलिस को उस समय निशाना बनाया, जब वे मोरेह से की लोकेशन पॉइंट (केएलपी) की ओर बढ़ रहे थे।

एक्टर टॉम विल्किंसन का निधन: 47 साल के करियर में की 100 फिल्में

लंदन। 'द फुल मॉन्टी' और 'द बेस्ट एग्जॉटिक मैरीगोल्ड होटल' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले ऑस्कर नॉमिनेटेड ब्रिटिश एक्टर टॉम विल्किंसन का निधन हो गया है।

75 वर्षीय एक्टर ने शनिवार को आखिरी सांस ली। विल्किंसन के एजेंट ने उनकी फैमिली की तरफ से स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा कि शनिवार को घर पर ही अचानक उनकी मौत हो गई। हालांकि, इस स्टेटमेंट में उनके निधन की वजह नहीं बताई गई। विल्किंसन को 2001 के फैमिली ड्रामा 'इन द बेडरूम' के लिए बेस्ट एक्टर का अकेडमी अवॉर्ड नॉमिनेशन मिला था। इसके अलावा 2007 में रिलीज हुई जॉर्ज क्लूनी स्टारर 'माइकल क्लेटन' के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर कैटेगरी में भी नॉमिनेशन मिला था। टॉम को साल 2008 की मिनी-सीरीज 'जॉन एडम्स' में अमेरिकी पॉलिटिशियन बेंजामिन फ्रैंकलिन की भूमिका निभाने के लिए एमी और गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड से नवाजा गया था। ब्रिटेन में है सबसे ज्यादा फैन फॉलोइंगः ब्रिटेन में पैदा हुए टॉम की सबसे ज्यादा फैन फॉलोइंग वहीं है। उन्हें वहां 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'द फुल मॉन्टी' के लिए पहचाना जाता है। 47 साल के करियर में की 100 फिल्में की।

आज का इतिहास

- **1664:** छत्रपति शिवाजी ने सूरत अभियान शुरू किया।
- **1785:** डेली यूनिवर्सल रजिस्टर' (टाइम्स ऑफ लंदन) का पहला अंक प्रकाशित।
- **1808:** अफ्रीकी देश सिएरा लियोन ब्रिटिश उपनिवेश बना।
- **1862:** भारतीय दंड संहिता लागू किया
- **1877:** इंग्लैण्ड की महारानी विक्टोरिया भारत की साम्राज्ञी बनी।
- **1880:** देश में मनी आर्डर प्रणाली की शुरुआत।
- **1906:** ब्रिटिश सरकार ने भारतीय मानक को स्वीकार किया।
- **1915:** महात्मा गांधी को दक्षिण अफ्रीका में उनके कार्यों के लिये वायसरॉय ने 'केसर-ए-हिंद' से सम्मानित किया।
- **1928:** यूएसए में पहला एयर कंडीशंड कार्यालय सेन एंतोनियो में खुला।
- **1949:** कश्मीर में युद्धविराम की घोषणा हुई।

133 करोड़ की हेरोइन बरामद

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने अमेरिका में बैठकर ऑपरेट किए जा रहे एक ड्रग स्मगलिंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। अमृतसर पुलिस ने अपने इस ऑपरेशन में दो लोगों को गिरफ्तार कर 133 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की है। उनसे 7 पिस्तौल और 23 लाख रुपए की ड्रग-मनी भी पकड़ी गई। इस रैकेट का सरगना मनप्रीत उर्फ मन्नू महावा अमेरिका में बैठा है। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इससे जुड़ी जानकारी साझा की। शुरुआती जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी सीधे अमेरिका में बैठे अपने बॉस मन्नू महावा के संपर्क में थे और पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाकर राज्य के अलग-अलग हिस्सों में उसकी डिलीवरी कर रहे थे।

Filmiतड़का

महाराष्ट्रीयन रिवाजों से 3 जनवरी को होगी इरा की नुपुर से शादी

मुंबई। अभी कुछ दिनों पहले, आमिर खान और रीना दत्त की बेटी इरा खान ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी शादी से पहले के फेस्टिविटल्स की झलकियाँ शेयर की थीं। इन रस्मों में उनकी दोस्त मिथिला पालकर और आमिर खान की एक्स वाइफ किरण राव और उनके बेटे आजाद राव खान शामिल थे। स्टार किड 3 जनवरी, 2024 को अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए पूरी तरह तैयार है। लेटेस्ट रिपोर्टों के अनुसार, यह जोड़ा अपनी शादी के लिए महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाजों के अनुसार करेगा। मीडिया में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया कि खान परिवार खुश है क्योंकि वे अपने नए साल की शुरुआत 'धमाके' के साथ करेंगे। इरा खान और नुपुर शिखारे की शादी 3 जनवरी को बांद्रा के आलीशान ताज लैंड्स एंड होटल में होगा, इसके बाद 6 से 10 जनवरी के बीच दो रिसेप्शन पार्टियां होंगी - एक दिल्ली में और दूसरी जयपुर में। रिपोर्ट आगे बताती है कि दूल्हे की जड़ों के सम्मान के प्रतीक के रूप में लवबर्ड्स की मराठी रीती-रिवाजों में शादी होगी। सूत्र के मुताबिक, ज्यादातर गहनों की खरीदारी माटुंगा के एक पॉपुलर स्टोर से हुई है, जो अपने पारंपरिक टुकड़ों और डिजाइनों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, प्राउड पिता, आमिर खान अपनी बेटी की शादी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

6 जनवरी को दिल्ली व 10 जनवरी को जयपुर में देंगे रिसेप्शन

धर्मेंद्र और सलमान ने जमाल कूडू पर किया डांस

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने सुपरहिट फिल्म एनिमल के जमाल कुडो गाने पर डांस किया है। फिल्म एनिमल का जमाल कुडू गाना फैंस की पहली पसंद बना हुआ है। बॉबी देओल का एंट्री सॉन्ग' जमाल कुडू 'सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग में बना हुआ है।सोशल मीडिया पर इस गाने पर जमकर डांस रील्स वीडियो बन रहे हैं। कलर्स टीवी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर बिग बॉस 17 न्यू ईयर स्पेशल प्रोमो वीडियो शेयर किया है इस वीडियो में सलमान खान, एनिमल के 'जमाल कुडू' गाने पर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में सलमान खान ,बॉबी देओल के सिग्नेचर स्पेट को कॉपी करते दिख रहे हैं। सलमान खान, बॉबी देओल की तरह सिर पर गिलास रखकर जमाल कुडू पर झूमते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो में सलमान खान, धर्मेंद्र, मीका सिंह, अरबाज खान, सोहेल खान और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक हैं।

विंध्यवासिनी देवी मंदिर में उमड़ा भक्तों का सैलाब

विंध्याचल (मिर्जापुर)। नए साल में विंध्य क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी मां विंध्यवासिनी देवी के दर पर भारी संख्या में दर्शनार्थियों की हाजिरी लगाने के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सारी तैयारियां पूरी कर ली है। मां के गर्भगृह में देवी की प्रतिमा के चरण स्पर्श पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह वीआईपी पर भी लागू रहेगा। त्रिकोण यंत्र सहित विंध्याचल में सुरक्षा के मुकम्मल इंतजाम किए गए हैं। साल के पहले दिन मां दर्शन पूजन के लिए दर्शनार्थियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। विंध्याचल एवं आस पास के सारे होटल लांज धर्मशालाएं पहले से बुक हैं। विंध्य पंडा समाज एवं जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से व्यवस्था पर निर्णय लिए हैं। सारी व्यवस्था नवरात्र मेले की तर्ज पर किए गए हैं।

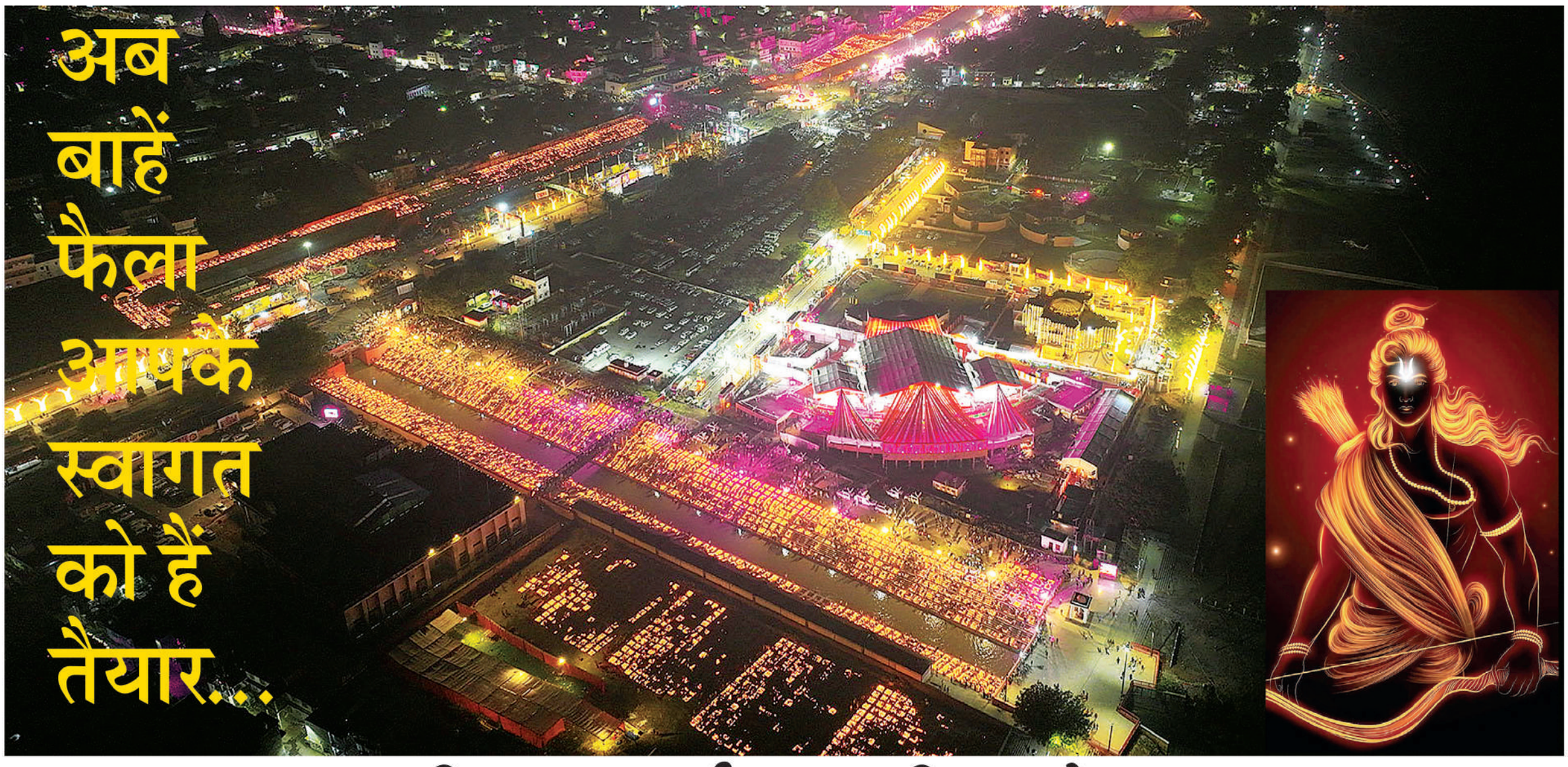

2024 तक इतनी बदल गई राम की अयोध्या...

ऐसे विकास धाम में तब्दील हुई राम की नगरी

22 जनवरी 2024. वो तारीख है जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होगी। इस दिन अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। प्रधानमंत्री मोदी समेत देश की तमाम बड़ी हस्तियां अयोध्या में रहेंगी। जिक्र अगर तैयारियों का हो तो, चाहे वो एयरपोर्ट हो। या रेलवे स्टेशन। पूरे अयोध्या में कहीं भी नजर डालें, तो युद्ध स्तर पर हो रहा निर्माण। यह अपने अंतिम दौर में पहुंच रहा है। कोई शक नहीं है कि एक शहर के रूप में जिस तरह से अयोध्या का विकास हो रहा है, निकट भविष्य में कौशलपुरी यूपी के अलावा देश के तामाम बड़े शहरों को कांटे की टक्कर देगी। एक उत्तर भारतीय और उसमें से भी पूर्वांचल से संबंध रखने के कारण अयोध्या से मेरा नाता कोई आज का नहीं है। मैं अयोध्या को काफी समय से देख रहा हूं। जैसी अयोध्या आज है, इसे स्वीकार करने में मुझे कोई गुरेज नहीं है कि ये अयोध्या वो तो बिलकुल नहीं है, जिसे मैंने बचपन में देखा था।

क्या है अयोध्या स्थित रामपथ की थीम

बता दें कि पूरे रामपथ पर बिल्डिंग चाहे कमर्शियल हो या फिर डोमेस्टिक उनका नया डिज़ाइन शहर की पुरानी इमारतों के डिज़ाइन से प्रेरित है। बालकनी को विंटेज ब्रिटिश स्टाइल में सफेद रंग का रखा गया है। बिल्डिंग की सामने की दीवार पर जो पेंट करवाया जा रहा है वो क्रीम और सफेद रंग के कॉम्बिनेशन में है। अयोध्या से जुड़ी हर चीज एक खास थीम से प्रभावित है अयोध्या में जो नया निर्माण हो रहा है उनमें रोचक ये भी है कि घरों की दीवारों पर कंगूरों का जो डिज़ाइन बनवाया जा रहा है वो ठीक वैसा ही है जो हमें हनुमानगढ़ी के पुराने मंदिरों में देखने को मिलेगा। इसके आलावा शहर को रौशन करने के लिए जो लाइट्स लगवाई गयीं हैं। वो भी एक विशेष थीम पर आधारित हैं। कुछ लाइट्स में सूर्य देव को थीम में लिया गया है तो वहीं कुछ लाइट्स ऐसी भी हैं जिनका आकार प्रकार शंख से प्रेरित है।

जोर शोर से चल रहा है अयोध्या में विकास

अयोध्या के लिहाज से आने वाला वक्त बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है। आज की अयोध्या को समझने से पहले हमें इस बात को समझना होगा कि शहर चाहे छोटा हो या बड़ा उसका अपना एक मनोविज्ञान होता है। जो हमें उस शहर के मिजाज से, उसके मयार और तासीर से रूबरू कराता है। अभी की अयोध्या को छोड़ दें और अब से ठीक 5 साल पहले जाएं तो मिलता है कि तब की अयोध्या ठीक वैसी ही थी जैसा कोई टियर 3 शहर होता है। न कोई भागदौड़। न तो मीडिया के कैमरों की चमक दमक। एक सेट पैटर्न था जिसे अपनाकर लोग अपनी ज़िन्दगी जी रहे थे। यानी सुबह होती लोग राम की पैड़ी या सरयू नदी के घाट पर स्नान करते फिर राम जन्म भूमि, हनुमान गढ़ी, दशरथ भवन जैसे स्थानों पर पूजा पाठ होता। लोगों को जो खाली समय मिलता वो किसी चाय की टपरी पर देश की राजनीति पर चर्चा में बीतता। संकरे रास्ते, ट्रैफिक जाम। पतली गलियां, छुट्टा आवारा पशु लेकिन अब अयोध्या का मामला बिलकुल अलग है।

पूर्व के मुकाबले नई अयोध्या कहीं ज्यादा सुंदर

बताते चलें कि आने वाले वक्त में अयोध्या का स्वरूप सोच और कल्पना से परे होगा। अंत में हम बस ये कहते हुए अपनी बातों को विराम देंगे कि वो निर्माण जिसे होने में कम से कम 4 दशक लगता वो अयोध्या में हो गया है और इसका पूरा श्रेय अयोध्या जिला प्रशासन के अलावा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। समय निकालिये और अयोध्या आइये। नई अयोध्या बाहें फैलाकर आपका स्वागत करने को तैयार है।

मन को मोह लेने वाली है अयोध्या की नई थीम

उद्घाटन से पहले जिला प्रशासन ने न केवल इन बिंदुओं पर गौर किया। बल्कि जो रोड मैप तैयार हुआ उसमें इन्हें रखा गया और आज स्थिति कैसी है इसे जानने के लिए हम करीब 13 किलोमीटर लंबे रामपथ जो अयोध्या स्थित सआदतगंज बाईपास से शुरू हुआ है और राम की पैड़ी तक गया है, का रुख कर सकते हैं। करीब 13 किलोमीटर लंबे इस मार्ग में जो भी काम हुआ है वो अपने में बेमिसाल है। अगर आप अयोध्या आ रहे हैं तो आपको यहां सड़क का चौड़ीकरण तो दिखेगा ही साथ ही जो इस पूरे रामपथ की थीम है वो आपका मन मोह लेगी।

आज से साल ही नहीं, बदल जाएंगे ये नियम भी...

सोमवार यानी आज 1 जनवरी से साल 2024 का आगाज होने जा रहा है और देशभर में इसकी धूम है। साल बदलने के साथ ही देश में कई बड़े बदलाव भी लागू होने जा रहे हैं, जो आपकी जेब पर सीधा असर डालने वाले साबित होंगे। इनमें आपके बैंक लॉकर से लेकर रसोई में इस्तेमाल होने वाली एलपीजी गैस के दाम तक... यूपीआई पेमेंट से लेकर सिम कार्ड तक शामिल हैं। आइए जानते हैं इन बदलावों के बारे में विस्तार से...

देश में लागू होंगे ये 5 बड़े बदलाव

एलपीजी सिलेंडर के बदलेंगे दाम

हर महीने की तरह नए साल के पहले महीने की पहली तारीख यानी 1 जनवरी को देश के लोगों की निगाहें भी एलपीजी प्राइस में होने वाले बदलाव पर टिकी हैं। दरअसल, रसोई गैस की कीमतों में होने वाले चेंज का सीधा असर आम आदमी के जेब पर पड़ता है। बीते दिनों सरकार ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में राहत दी थी। हालांकि, रसोई में इस्तेमाल होने वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम में लंबे से बदलाव नहीं हुआ है।

बैंक लॉकर एग्रीमेंट

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक लॉकर एग्रीमेंट को रिवाइज किया है। इसके तहत यूजर्स को फैसला लेने के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया गया है और ये डेडलाइन 1 जनवरी को खत्म हो रही है। आरबीआई ने सभी बैंकों से कहा है कि वे अपने ग्राहकों का लॉकर एग्रीमेंट संशोधित करा लें, अगर ये काम 31 दिसंबर तक पूरा नहीं हुआ तो आपको बैंक लॉकर खाली करना पड़ सकता है।

यूपीआई यूजर्स ध्यान दें...

1 जनवरी की तारीख यूपीआई पेमेंट करने वाले यूजर्स के लिए भी खास है। दरअसल, नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया ने पेटीएम, गूगल पे, फोन पे जैसे ऑनलाइन पेमेंट ऐप की ऐसी यूपीआई आईडी को बंद करने का फैसला लिया है, जिनका इस्तेमाल पिछले एक साल या इससे ज्यादा समय से नहीं किया जा रहा है, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। अगर आपका भी कोई ऐसा यूपीआई आईडी है तो उससे तुरंत ट्रांजेक्शन कर लेना चाहिए।

ये चेंज भी लिस्ट में...

इन बड़े बदलावों के अलावा भी कई ऐसे चेंज 1 जनवरी से देखने को मिलेंगे, जो सीधा आपके ऊपर असर डालेंगे। इनमें बीमा कंपनियों के लिए नए नियम शामिल हैं। बीमा नियामक इरडा ने इंश्योरेंस फर्म से कहा है कि वे ग्राहकों को पॉलिसी से जुड़ीं प्रमुख जानकारियां अलग से उपलब्ध कराएं। इसके अलावा 1 जनवरी 2024 से देश में वाहन खरीदना महंगा हो सकता है। कार निर्माता कंपनियों मारुति, महिंद्रा, किआ, हुंडई, होंडा और टाटा समेत टोयोटा ने अपने कॉमर्शियल वाहनों की कीमतों में 2 फीसदी तक बढ़ोतरी की तैयारी की है। इसके साथ ही जनवरी महीने में बैंकों में बंपर छुट्टियां हैं और इस महीने 16 दिन बैंक बंद रहेंगे।

नए साल के पहले दिन ही सैटेलाइट लॉन्च कर इतिहास रचेगा इसरो

नई दिल्ली, आरएनएन। 2023 में चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग और सौर मिशन के सफल लॉन्च के बाद अब नए साल का पहला दिन, यानि 1 जनवरी, 2024 की तारीख इसरो के लिए बेहद खास होने जा रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन साल के पहले दिन दुनिया का दूसरा और देश का पहला ऐसा सैटेलाइट लॉन्च करने जा रहा है, जो पल्सर, ब्लैक होल्स, आकाशगंगा, रेडिएशन आदि की स्टडी करेगा। इसका नाम एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट है।

इस उपग्रह की लाइफ पांच साल की है। इस परीक्षण की गिनती रविवार सुबह 8.10 बजे शुरू हो गई। पीएसएलवी-सी58 को सोमवार सुबह 9.10 बजे लॉन्च किया जाएगा। यह प्रक्षेपण पीएसएलवी रॉकेट श्रृंखला का 60वां प्रक्षेपण है। 1 जनवरी को पीएसएलवी-सी58 एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट मिशन और 10 अन्य पेलोड के लॉन्च से पहले, इसरो वैज्ञानिकों ने तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की। यह सैटेलाइट अंतरिक्ष में होने वाले रेडिएशन की स्टडी करेगा। उनके स्रोतों की तस्वीरें लेगा। इसमें लगे टेलिस्कोप को रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट ने बनाया है। यह सैटेलाइट ब्रह्मांड के 50 सबसे ज्यादा चमकने वाले स्रोतों की स्टडी करेगा। जैसे- पल्सर, ब्लैक होल एक्स-रे बाइनरी, एक्टिव गैलेक्टिक न्यूक्लियाई, नॉन-थर्मल सुपरनोवा। सैटेलाइट को 650 किमी की ऊंचाई पर तैनात किया जाएगा। इस सैटेलाइट में दो पेलोड्स हैं। पहला - पोलिक्स और दूसरा एक्सपेक्ट।

वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचे वैज्ञानिक

क्या है पोलिक्स..

पोलिक्स इस सैटेलाइट का मुख्य पेलोड है। इसे रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट और यूआर राव सैटेलाइट सेंटर ने मिलकर बनाया है। 126 किलोग्राम का यह यंत्र अंतरिक्ष में स्रोतों के चुंबकीय फील्ड, रेडिएशन, इलेक्ट्रॉन्स आदि की स्टडी करेगा। यह 8-30 केईवी रेंज की एनर्जी बैंड की स्टडी करेगा। पोलिक्स अंतरिक्ष में मौजूद 50 में से 40 सबसे ज्यादा चमकदार चीजों की स्टडी करेगा।

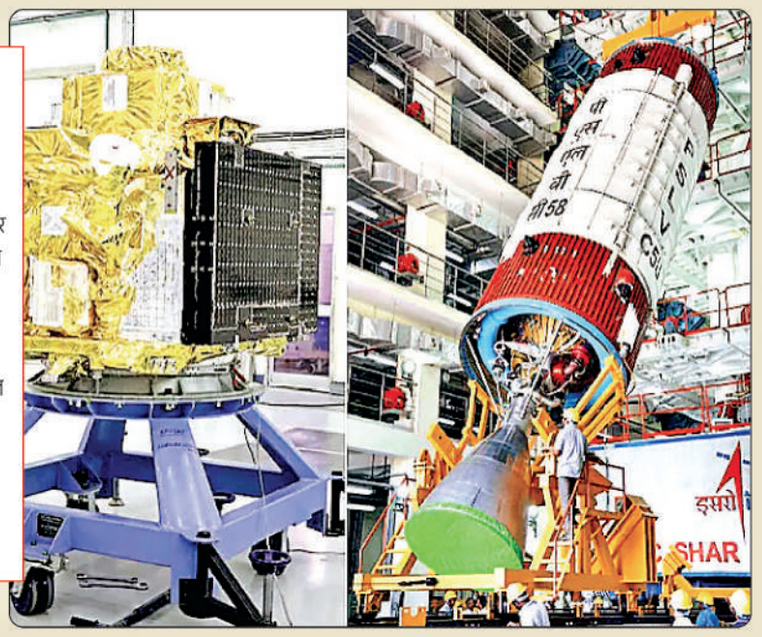

1 जनवरी 2024 यानी आज से दुनिया की आबादी 8 अरब को पार कर जाएगी। अमेरिका के सेंसस ब्यूरो ने अपनी रिपोर्ट में ये दावा किया है। इसके मुताबिक, पिछले 1 साल में दुनिया की जनसंख्या में करीब 7.5 करोड़ का इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में हर सेकेंड 4.3 लोग जन्म लेते हैं, जबकि 1 सेकेंड में 2 लोगों की मौत होती है। अमेरिका के सेंसस ब्यूरो के मुताबिक, 1 जनवरी 2024 को दुनिया की कुल आबादी 8.02 अरब हो जाएगी। 1 जनवरी 2023 ये आंकड़ा 7.94 अरब था। नवंबर 2022 में यूएन ने अनुमान लगाया था कि दुनिया की आबादी 8 अरब पहुंच गई थी। जनसंख्या में 1 अरब की बढ़ोतरी में 11 साल का समय लगा। यूएन सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने बढ़ोतरी का श्रेय वैज्ञानिक उपलब्धियों, न्यूट्रिशन, हेल्थ और सैनिटेशन फैसेलिटी में सुधार को दिया था। सेंसस ब्यूरो ने आशंका जताई है कि अब जनसंख्या को 9 अरब पहुंचने में करीब 14 साल का समय लगेगा।

नया सिम कार्ड लेने के लिए केवायसी

पहली जनवरी से होने जा रहे बदलावों की लिस्ट में अगला टेलीकॉम सेक्टर से जुड़ा हुआ है। टेलिकॉम डिपार्टमेंट 1 जनवरी से सिम कार्ड के लिए कागज आधारित केवायसी प्रोसेस को खत्म करने जा रहा है। इसका मतलब है कि ग्राहकों को नया सिम कार्ड खरीदने के लिए कागजी फॉर्म भरने की जरूरत नहीं होगी। इसकी जगह अब सिर्फ डिजिटल केवायसी यानी ई-केवायसी अनिवार्य होगी।

2024 में ओलंपिक और टी20 क्रिकेट वर्ल्डकप पर रहेगी भारत की निगाहें

आइए जानते हैं किस-किस खेल में भारत 2024 को बना सकता है यादगार...

साल 2023 में भारत ने पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंशिप का फाइनल गंवाया उसके बाद वनडे वर्ल्ड कप फाइनल जीते का सपना अधूरा रह गया लेकिन साल 2024 में कई टूर्नामेंट भारत के लिए नई उम्मीद लेकर आएंगे। साल 2024 में ही पेरिस ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। आइए जानते हैं किस-किस खेल में भारत साल 2024 को यादगार बना सकता है।

● भोपाल

साल 2023 खेल जगत में मिला जुला रहा। एक तरफ जहां वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंशिप और वनडे वर्ल्डकप में भारत के हाथों निराशा हाथ लगी तो वहीं, एशियन गेम्स में भारतीय महिला और पुरुष ने गोल्ड जीतकर इतिहास रचा। यह साल स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के नाम रहा। दोहा डायमंड लीग में गोल्ड पर कब्जा किया। क्रिकेट में भारत ने पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंशिप का फाइनल गंवाया, उसके बाद वनडे वर्ल्ड कप फाइनल जीते का सपना अधूरा रह गया, लेकिन साल में कई टूर्नामेंट भारत के लिए नई उम्मीद लेकर आएंगे। आइए जानते हैं किस-किस खेल में भारत साल 2024 को यादगार बना सकता है।

टी-20 वर्ल्डकप

आगामी साल में वेस्टइंडीज और यूएसए की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों शिकस्त मिली थी। साल 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में भारत से जीत की उम्मीद रहेगी। वहीं, बांग्लादेश की मेजबानी में महिला टी20 वर्ल्ड कप का भी आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल

अगले साल 2024 में उत्तराखंड 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करेगा। 37वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। अगले राष्ट्रीय खेलों में भी खिलाड़ियों से बेजोड़ प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी।

यूफा यूरो

इनके अलावा 14 जून से 14 जुलाई 2024 तक फुटबॉल का दूसरा सबसे बड़ा टूर्नामेंट यूफा यूरो 2024 का टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। यहां भारतीय फुटबॉल टीम से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा।

पेरिस ओलंपिक

भारतीय खिलाड़ियों के लिए साल 2024 बहुत ही खास होने वाला है। पेरिस में ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था और उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाइ किया है। इसके अलावा अन्य खेलों के खिलाड़ियों ने भी पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया है।

इधर, 2024 में पूरे साल क्रिकेट खेलेगी टीम इंडिया

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का साला 2024 का शेड्यूल व्यस्त रहेगा। 2024 की शुरुआत भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से करेगी। इसके बाद टीम इंडिया को 11 से 17 जनवरी के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। 2024 में टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप के अलावा अफगानिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से अलग-अलग फॉर्मेट की सीरीज भी खेलेगी। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ी आईपीएल 2024 में भी हिस्सा लेंगे, जो एक लंबा टूर्नामेंट होगा। 2024 में टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप के लिए वेस्टइंडीज और यूएसए जाएगी। इसके बाद तीन मैचों की वनडे और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। वहीं साल के अंत में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इन विदेशी दौरों के अलावा भारतीय टीम न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से घर पर खेलेगी।

2024 में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का शेड्यूल

तारीख	प्रतिद्वंद्वी/टूर्नामेंट	मेजबान देश	मुकाबले
10 दिसंबर 2023 से 7 जनवरी 24	द. अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका	3 टी-20, 3 वनडे, 2 टेस्ट
11 से 17 जनवरी	अफगानिस्तान	भारत	3 टी-20
25 जनवरी से 11 मार्च	इंग्लैंड	भारत	5 टेस्ट
मार्च अंत से मई अंत तक	आईपीएल 2024	भारत	टी-20 प्रारूप
4 से 30 जून	आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप	विंडीज और यूएसए	टी-20 प्रारूप
जुलाई (तारीख घोषित नहीं)	श्रीलंका	श्रीलंका	3 वनडे, 3 टी-20
सितंबर (तारीख घोषित नहीं)	बांग्लादेश	भारत	2 टेस्ट,3 टी-20
अक्टूबर (तारीख घोषित नहीं)	न्यूजीलैंड	भारत	3 टेस्ट
नवंबर-दिसंबर (तारीख घोषित नहीं)	ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिया	5 टेस्ट

2024 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का शेड्यूल

तारीख	प्रतिद्वंद्वी/टूर्नामेंट	मेजबान देश	मुकाबले
21 दिसंबर 2023 से 9 जनवरी 24 तक	ऑस्ट्रेलिया	भारत	1 टेस्ट, 3 वनडे, 3 टी-20
22 फरवरी से 17 मार्च	महिला प्रीमियर लीग	भारत	टी-20 प्रारूप
सितंबर (तारीख घोषित नहीं)	आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप	बांग्लादेश	3 टी-20, 3 वनडे, 2 टेस्ट
दिसंबर (तारीख घोषित नहीं)	ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिया	3 वनडे
दिसंबर (तारीख घोषित नहीं)	वेस्टइंडीज	भारत	3 वनडे, 3 टी-20

पीकेएल: गुजरात जायंट्स ने बंगाल वॉरियर्स को हराया

नोएडा, (एजेंसी)। युवा खिलाड़ी प्रतीक दहिया के 25 अंक की मदद से गुजरात जायंट्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के एक मैच में रविवार को यहां बंगाल वॉरियर्स को 51-42 से पराजित किया। गुजरात जायंट्स की पीकेएल के दसवें सत्र में यह छठी जीत है। दहिया ने शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया तथा अपनी टीम को एक समय 13 अंक की बढ़त दिला दी थी। जायंट्स की टीम मध्यांतर तक 28-17 से आगे थी। प्रतीक के एक और ऑल आउट से टीम ने अपनी मजबूत बढ़त बनाए रखी और शानदार जीत दर्ज की। बंगाल वॉरियर्स के लिए नितिन कुमार और मनिंदर सिंह ने क्रमशः 12 और 11 अंक बनाए, लेकिन यह जीत के लिए पर्याप्त नहीं थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम ऑफ द ईयर घोषित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को टेस्ट टीम ऑफ द ईयर का ऐलान कर दिया है। इस टीम म रविंद्र जडेजा और आर अश्विन को बतौर ऑलराउंडर चुना गया है, वहीं अश्विन स्पेशलिस्ट स्पिनर की भूमिका निभाएंगे। पैट कमिंस इस टीम के कप्तान होंगे।

टेस्ट टीम ऑफ द ईयर: उस्मान ख्वाजा, दिमुथ करुणारत्ने, केन विलियमसन, जो रूट, हैरी ब्रूक, लोर्कन टकर, रविंद्र जडेजा, आर अश्विन, पैट कमिंस (कप्तान), कगिसो रबाडा, स्टुअर्ट ब्रॉड।

न्यूजीलैंड-बांग्लादेश टी-20 सीरीज बराबरी पर समाप्त

माउंट मॉन्गानुई,(एजेंसी)। बांग्लादेश को न्यूजीलैंड टी-20 सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में बारिश के कारण डकवर्थ लुईश नियम के तहत 17 रन से हार का सामना करना पड़ा है। इससे बांग्लादेश की न्यूजीलैंड में पहली श्रृंखला जीतने की उम्मीद टूट गयी और तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर रही।पहले बल्लेबाजी करत हुए बांग्लादेश की टीम 19.2 ओवर में 110 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सेंटनर ने चार विकेट लिए। 111 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए फिन एलेन ने सबसे अधिक 38 रन बनाए।

नंबर-1 के तौर पर टीम इंडिया ने किया 2023 का अंत

आईसीसी रैंकिंग: तीनों प्रारूपों में भारतीय क्रिकेट टीम ने किया शानदार प्रदर्शन, लेकिन बड़े मौकों पर चूकी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम 31 दिसंबर 2023 तक क्रिकेट के तीनों प्रारूपों (वनडे, टेस्ट और टी-20) में नंबर वन पर कायम है। हालांकि, साल 2023 में भारतीय क्रिकेट टीम ने प्रशंसकों को दो बड़े झटके दिए, जिनका दर्द प्रशंसक और भारतीय खिलाड़ी सालों तक सहने वाले हैं।

भारतीय टीम ने ओवरऑल अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन जब बड़े मौके आए तो टीम चूक गई। भारतीय टीम जून के महीने में आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हारी और नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में हार मिली। दोनों बार ऑस्ट्रेलिया की टीम सामने थी। रैंकिंग में भारतीय टीम टी-20 में दूसरे नंबर की टीम से 9 अंक आगे है। भारतीय टीम के 265 अंक हैं और इंग्लैंड 256 अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। वनडे क्रिकेट में भारत के 121 अंक हैं और दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है, जिसके 117 रेटिंग पॉइंट्स हैं। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के खाते में 118 अंक हैं और इतने ही अंक ऑस्ट्रेलिया के खाते में हैं। भारतीय टीम ने 2023 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने और जीतने के मामले में सभी को पछाड़ दिया है। भारतीय टीम ने सबसे ज्यादा 66 इंटरनेशनल मैच खेले और सबसे ज्यादा 45 इंटरनेशनल मैच जीते भी हैं।

एशिया कप व एशियन गेम्स जीते

भारतीय टीम एशिया कप और एशियन गेम्स की चैंपियन भी टीम इसी साल बनी, जिसने थोड़ी राहत टीम को दी। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने एशिया कप जीता और एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल भारत ने रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में जीता।

भारतीय टीम का ओवरऑल रिकॉर्ड (2023 में)

टी-20 प्रारूप		वनडे प्रारूप		टेस्ट प्रारूप	
कुल मैच	23	कुल मैच	35	कुल मैच	08
जीते	15	जीते	27	जीते	03
हारे	07	हारे	07	हारे	03
बेनतीजा	01	बेनतीजा	01	ड्रा	02

तीनों प्रारूपों की आईसीसी रैंकिंग में टॉप-5 देश

टेस्ट रैंकिंग

रैंक	टीम	रेटिंग
1	भारत	118
2	ऑस्ट्रेलिया	118
3	इंग्लैंड	115
4	द. अफ्रीका	104
5	न्यूजीलैंड	95

वनडे रैंकिंग

रैंक	टीम	रेटिंग
1	भारत	121
2	ऑस्ट्रेलिया	117
3	द. अफ्रीका	110
4	पाकिस्तान	109
5	न्यूजीलैंड	102

टी-20 रैंकिंग

रैंक	टीम	रेटिंग
1	भारत	265
2	इंग्लैंड	256
3	न्यूजीलैंड	255
4	पाकिस्तान	251
5	ऑस्ट्रेलिया	250

2023 में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज रहे जडेजा

साल 2023 में स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं। उन्होंने 2023 में खेले 35 अंतरराष्ट्रीय मैच की 39 पारियों में 66 विकेट चटकाए। इस सूची में वाइनामैन कुलदीप यादव दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 39 मैच की 38 पारियों में 63 सफलताएं प्राप्त कीं। जडेजा ने इस साल खेले 7 टेस्ट मुकाबलों में 33 विकेट और 281 रन, 26 वनडे में 31 विकेट और 2 टी-20 में 2 विकेट और 23 रन बनाए।

शुभमन गिल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज

युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारत और दुनिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस साल खेले 48 मैच की 52 पारियों में 2,154 रन बनाए। इस दौरान उनकी औसत 46.82 की और स्ट्राइक रेट 101.22 की रही है। इस दौरान उन्होंने 10 अर्धशतक और 7 शतक जड़े। गिल ने इस साल 29 वनडे में 1,584 रन, 6 टेस्ट में 2258 रन और 13 टी-20 312 रन बनाए।

यूनाइटेड कप में जोकोविच ने किया विजयी आगाज

झांग झिजेन को 6-3, 6-2 से हराया

पर्थ,(एजेंसी)। विश्व के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को यूनाइटेड कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट के प्रारंभिक लीग मुकाबले में अपना मैच जीतकर सर्बिया को चीन पर 1-0 की बढ़त दिला दी।

पिछले सीजन के अपने आखिरी मैच में, जोकोविच ने अपने खिताब की रक्षा करने के लिए 2023 एटीपी फाइनल्स के फाइनल में जानिक सिनर को हराया था। नए सीजन के अपने पहले मैच में, जोकोविच ने झांग झिजेन को 6-3, 6-2 से हराकर सर्बिया को पर्थ में चीन के साथ ग्रुप मुकाबले में 1-0 की बढ़त दिला दी। जोकोविच अपने खेल के सभी पहलुओं में बहुत मजबूत थे क्योंकि उन्होंने झांग के साथ अपनी पहली एटीपी आमने-सामने की भिड़ंत में 74 मिनट की जीत दर्ज की। अमेरिकी ओपन की पूर्व फाइनलिस्ट लेयला फर्नांडीज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत कनाडा को चिली पर 2-1 से जीत दर्ज की। फर्नांडीज ने डेनिएला सेगुएल को 6-3, 6-2 से हराया। इसके बाद निकोलस जेरी ने स्टीवन डिएज को सीधे सेटों में हराकर चिली को ग्रुप बी के इस मुकाबले में बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मिश्रित युगल के निर्णायक मैच में फर्नांडीज और डिएज़ ने सेगुएल और टॉमस बैरियोस वेरा के खिलाफ 7-5, 4-6, 10-8 से जीत हासिल की। उधर पर्थ ने खेले गए ग्रुप सी के मुकाबले में अमेरिका ने शुरू में पिछड़ने के बाद ग्रेट ब्रिटेन को 2-1 से हराया। ब्रिटेन की केटी बोल्टर ने विश्व में पांचवीं रैंकिंग की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को एक सेट से पिछड़ने के बाद लगभग तीन घंटे में 5-7, 6-4, 6-4 से हराया। अमेरिका के विश्व में 10वीं रैंकिंग के टेलर फ्रिट्ज ने कैमरून नोरी को 7-6 (5), 6-4 से हराकर मुकाबला को बराबरी पर ला दिया। मिश्रित युगल में पेगुला और फ्रिट्ज ने बोल्टर और नील स्कूपस्की पर 1-6, 7-6 (4), 10-7 से जीत हासिल करके अमेरिका की जीत सुनिश्चित की।

अनाहत सिंह ने जीता स्कॉटिश जूनियर ओपन का खिताब

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत की प्रतिभाशाली किशोरी अनाहत सिंह ने 2023 स्कॉटिश जूनियर ओपन स्क्वैश में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में घरेलू पसंदीदा रॉबिन मैकअल्पाइन पर 11-6, 11-1, 11-5 से जीत के साथ लड़कियों का अंडर-19 खिताब जीता। उन्होंने अंडर-19 और सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में डबल रिकॉर्ड बनाया और एशियाई खेलों और उद्घाटन एशियाई मिश्रित युगल चैंपियनशिप दोनों में अभय सिंह के साथ मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता। इस बीच, भारत के सुभाष चौधरी ने लड़कों के अंडर-15 फाइनल में हमवतन शिवेन अग्रवाल को 5-11, 11-4, 6-11, 11-8, 11-5 से हराया, जबकि श्रेष्ठ अय्यर ने श्रेयांश जाह को शनिवार को अखिल भारतीय लड़कों के अंडर-13 फाइनल में 11-8, 11-8, 3-11, 11- 8 से हराया। शीशीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय आद्या बुधिया ने लड़कियों के अंडर-13 फाइनल में मलेशिया की निया च्यू को 9-11, 11-8, 8-11, 11-8, 11-9 से हराकर लचीलापन दिखाया।

सिमरनजीत को पुरुष टीम की कमान, रजनी होंगी महिला टीम की कप्तान

हॉकी-5 एस विश्वकप के लिए महिला और पुरुष टीमें घोषित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने ओमान के मस्कट में होने वाले आगामी एफआईएच हॉकी 5 विश्वकप के लिए रविवार को महिला और पुरुष टीम की घोषणा की। हॉकी इंडिया ने कहा सिमरनजीत सिंह पुरुष और रजनी इतिमारपु महिला टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने कहा कि हॉकी5 महिला विश्वकप 24 से 27 जनवरी तक तथा पुरुषों की प्रतियोगिता 28 जनवरी से 31 जनवरी तक होगी। एफआईएच हॉकी 5 एस महिला विश्वकप 2024 में कुल 16 टीमें भाग लेंगी। भारतीय महिला टीम को नामीबिया, पोलैंड और अमेरिका के साथ पूल सी में रखा गया है। पूल ए में फिजी, मलेशिया, नीदरलैंड और मेजबान ओमान हैं जबकि पूल बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन और जाम्बिया हैं और पूल डी में न्यूजीलैंड, पराग्वे, थाईलैंड और उरुग्वे है।

पुरुष टीम

गोलकीपर: सूरज और प्रशांत चौहान। **डिफेंडर:** मनदीप मोर (उपकप्तान) और मनजीत **मिडफील्डर:** राहील मौसीन और मनिंदर सिंह। **फॉरवर्ड:** पवन, गुरजोत सिंह, सिमरनजीत सिंह (कप्तान) और उत्तम सिंह।

महिला टीम

गोलकीपर: रजनी इतिमारपु (कप्तान), बंसारी सोलंकी। **डिफेंडर:** महिमा चौधरी (उपकप्तान), ज्योति और अक्षता। **मिडफील्डर:** मारियाना कुजूर और मुमताज खान। **फॉरवर्ड:** अजमीना कुजूर, रुताजा, दीपिका सौरंग।

हरिद्वार और अमृतसर ने जीता सीबीएसई नेशनल हॉकी प्रतियोगिता का खिताब

भोपाल,(खेसं)। श्री भवंस भारती स्कूल द्वारा आयोजित सीबीएसई नेशनल हॉकी प्रतियोगिता में बालिका वर्ग से राम विद्या मंदिर स्कूल हरिद्वार और बालक वर्ग सें संत ज्ञानी गुरबचन खालसा अकैडमी स्कूल अमृतसर ने खिताब जीता। बालिका वर्ग के फाइनल में राम विद्या मंदिर स्कूल हरिद्वार ने सच्चिदानंद स्कूल तमिलनाडु को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। श्री राम विद्या मंदिर स्कूल की ओर से श्रीमुवरा ने दो गोल किए। बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में संत ज्ञानी गुरबचन खालसा अकैडमी स्कूल अमृतसर ने सच्चिदानंद स्कूल तमिलनाडु को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। संत ज्ञानी गुरवचन खालसा अकैडमी स्कूल की ओर से शिवनीत हिलन एवं कुमारन ने एक-एक गोल किया। प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरणमुख्य अतिथि पूर्व आईपीएस ऑफिसर सुशोभन बनर्जी व एलएनसीटी ग्रुप के अध्यक्ष जय नारायण चौकसे जी द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता में दिए गए विशेष पुरस्कार: बालिका वर्ग से **बेस्ट स्कोर** - पूजा कलूरा, (श्री राम विद्या मंदिर हरिद्वार) **बेस्ट गोलकीपर** - अंजलि (ओपी जिंदल स्कूल), **बुडिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट**- ऋदुमिका (सच्चिदानंद स्कूल तमिलनाडु)। बालक ग्रुप से **बेस्ट स्कोर**-आकाश (जीकेजी इंटरनेशनल स्कूल गाजियाबाद), **बेस्ट गोलकीपर**-विजूबी सच्चिदानंद स्कूल तमिलनाडु, **प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट**- खुशविंदर सिंह (संत ज्ञानी गुरुवचन खालसा स्कूल अमृतसर),।

वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी टूर्नामेंट कल से

भोपाल,(खेसं)। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं खेल और युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश संयुक्त रूप से ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी (मेन्स) टूर्नामेंट का आयोजन दिनांक 02 जनवरी 2024 से 7 जनवरी 2024 तक किया जा रहा है। टूर्नामेंट में पांच राज्यों महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा से लगभग 55 विश्वविद्यालयों की टीमें प्रतिभागिता कर रही हैं। इस टूर्नामेंट का आयोजन ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम लिंक रोड नम्बर-1 एंव ऐशबाग हॉकी स्टेडियम में किया जा रहा है। टूर्नामेंट का औपचारिक शुभारंभ ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में सायं 4.00बजे आयोजित किया जाएगा। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं कौशल के क्षेत्र के साथ साथ निरंतर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश में अकेला ऐसा निजी विश्वविद्यालय है जिसने लगातार पांचवें वर्ष एन.आई.आर.एफ रैंकिंग में स्थान हासिल किया है। अकादमिक के साथ साथ विश्वविद्यालय निरंतर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

12वीं अंतरराष्ट्रीय कराते स्पर्धा में मप्र ने हासिल किया दूसरा स्थान

प्रदेश के खिलाड़ियों ने दिल्ली में जीते 62 पदक

भोपाल,(खेसं)। नई दिल्ली में आयोजित 12वीं अंतरराष्ट्रीय कराते स्पर्धा में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने 20 स्वर्ण, 20 रजत और 22 कांस्य पदक सहित कुल 62 पदक अपने नाम किए। चैंपियनशिप में राज्यवार स्थिति में मप्र दूसरे स्थान पर रहा। खिलाड़ियों की संख्या और पदकों के औसत के आधार पर उज्बेकिस्तान ओवरआल चैंपियन बना। वहीं ईरान दूसरे और नेपाल तीसरे स्थान पर रहा। मप्र टीम में ज्यादातर खिलाड़ी भोपाल के हैं। ज्यादातर खिलाड़ी सेंट थामस कराते अकादमी के छात्र हैं और कोच शिवा सोनी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। रविवार को राजधानी लौटने पर रानी कमलापति स्टेशन पर टीम का भव्य स्वागत किया गया।

विजेता खिलाड़ी : लावण्या बत्रा (दो स्वर्ण), आरोही सोनी (दो स्वर्ण), दीक्षा सिंह (दो स्वर्ण), आदर्श जोशी (एक स्वर्ण, एक रजत), कामाक्षी नानक (दो स्वर्ण), विराज दिनेश नायर (दो स्वर्ण), प्रेमलता आर्मो (दो स्वर्ण), जीविका सिंह (एक स्वर्ण, एक रजत), सनवी पांडे (एक स्वर्ण, एक रजत), पंखुड़ी विश्वकर्मा (एक रजत, एक कांस्य), विवान पांडे (एक रजत, एक कांस्य), समर्थ सेंगर (एक रजत), सार्थक सेंगर (एक स्वर्ण, एक कांस्य), हिमांशु चौहान (एक स्वर्ण), नौमिशी दुबे (दो कांस्य), वि दुबे (दो रजत), नव्या चतुर्वेदी (दो रजत), आकृति शुक्ला (एक कांस्य), दिव्या अग्रवाल (रजत), नीति त्रिवेदी (कांस्य), आर्य त्रिवेदी (दो कांस्य), आनंदिता त्रिवेदी (एक रजत एक कांस्य) पदक जीता।

एक सोच ने बदल दिया 1400 मूक-बधिर बच्चों का जीवन

तत्कालीन विधायक उदय मुदलियार की पहल पर 1995-96 में इस संस्था की रखी गई थी नींव

सचिन अग्रहरि
राजनांदगांव

28 साल पहले शहर के गायत्री परिवार से जुड़े मित्रों की एक सोच ने देश के करीब 1400 मूक-बधिर बच्चों के जीवन में ऐसा परिवर्तन ला दिया कि अब वे न सिर्फ शिक्षित हो गए, बल्कि रोजगार की दिशा में भी उन्होंने अपना अच्छा खासा मुकाम हासिल कर लिया है। शहर के आस्था मूकबधिर स्कूल में पढ़े बच्चे देश में सरकारी नौकरी भी कर रहे हैं। 1995 में इस संस्था की नींव रखने वाले हेमंत तिवारी कहते हैं कि इन मूकबधिर दिव्यांग बच्चों में ईश्वर सच में वास करते हैं। यही कारण है कि उन्हें संस्था के संचालन या उसकी प्रगति में कभी कोई दिक्कत यह परेशानी नहीं आई। संस्कारधानी शहर के सभी लोगों ने इस संस्था को आगे बढ़ाने में हमेशा हर संभव मदद भी की।

राजनांदगांव के तत्कालीन विधायक उदय मुदलियार की पहल पर 1995-96 में इस संस्था की नींव रखी गई थी। हेमंत कहते हैं कि उन्होंने उदय भाई के कहने पर गायत्री परिवार के साथी यशवंत भाई ठक्कर और जुगल किशोर लड्डा से बात की। मूक बधिर शाला शुरू करने का जैसे ही उन्होंने प्रस्ताव दिया, वे भी तत्काल राजी हो गए। श्री ठक्कर ने उन्हें रामदरबार के समीप अपने दस कमरे का एक मकान निशुल्क देने का ऐलान भी कर दिया। वे कहते हैं कि जब जगह मिल गई तो मूक बधिर बच्चों की तलाश शुरू की गई। सोमनी-ईरा गांवों के आसपास दौरा कर दो बच्चों को यहां लाया गया और उन बच्चों को शिक्षा देने के साथ इस स्कूल की नींव रखी गई। श्री तिवारी ने बताया कि धीरे-धीरे स्कूल में बच्चों की संख्या बढ़ती गई और वर्तमान में 104 बच्चे आवासीय शाला में अध्ययनरत हैं। पिछले 28 सालों में करीब 1400 बच्चों को यहां ऐसे शिक्षा दी गई कि वे अपने पैरों में खड़े हो चुके हैं। कुछ बच्चे सरकारी नौकरी भी कर रहे हैं।

हर क्षेत्र में दबदबा

आस्था मूक-बधिर स्कूल के बच्चों का हर क्षेत्र में दबदबा कायम है। सांस्कृतिक आयोजनों की प्रस्तुति को लेकर इस स्कूल के बच्चों को राष्ट्रीय अवार्ड मिला है। वहीं पैराजूडो खेल के क्षेत्र में भी यहां के मूकबधिर बच्चों ने कई पुरस्कार अर्जित किए हैं। यहां मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

दानदाताओं से मिली जमीन

संस्था की स्थापना के कुछ सालों बाद किशनलाल अरोरा ने बसंतपुर के समीप अपनी जमीन संस्था को दान दी। यहां संस्था ने लोगों और सरकारी मदद लेकर कमरों का निर्माण कराया। इस बीच राजनांदगांव सिंधी समाज के एक प्रतिष्ठित समाजसेवी ने स्कूल से लगी जमीन दान कर दी। जिससे इस स्कूल का कैंपस अब काफी बढ़ गया है और बच्चो की गतिविधियों के संचालन में आने वाली दिक्कतें भी दूर हो गई है।

शहरवासियों का जुड़ाव

स्कूल की नींव रखने वाले एवं आस्था के संरक्षक जुगल किशोर लड्डा ने कहा कि वे अकेले इस संस्था को नहीं चला रहे हैं, बल्कि पूरे शहर और जिले के लोगों का जुड़ाव यहां अध्ययनरत बच्चों के साथ है। यही कारण है कि संस्था को दूध, सब्जियां, फल और अनाज आदि दान से मिल जाता है। समाजसेवा विभाग से जो फंड मिलता है, उससे बच्चों को भोजन और स्कूल स्टाफ के वेतन तथा संधारण में खर्च किया जाता है।

किडनी प्रत्यारोपण के बाद स्वस्थ

अनजान फरिश्तों ने हर ली 'पीड़ा'

कभी उठना-बैठना भी मुश्किल था और अब जीवन की राह आसान

विकास शर्मा
रायपुर

राज्य में केडेवर डोनेशन की शुरुआत के बाद डायलिसिस और दवाओं के भरोसे जिंदगी जीने वाले किडनी-लिवर की गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों की जिंदगी में बदलाव की किरण नजर आने लगी है। ऐसे मरीजों के लिए ब्रेनडेड होने वाले मरीज किसी मसीहा से कम साबित नहीं हो रहे हैं। एक साल के भीतर पांच लोगों ने अपनी अंतिम सांस लेने के पहले अपनी किडनी-लिवर और आंखों को दान देकर पच्चीस लोगों की जिंदगी बदल चुके हैं। इनके शरीर के एक-एक अंग जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान साबित हो रहे हैं। हरिभूमि टीम ने ऐसे ही कुछ मरीजों से प्रत्यारोपण के बाद जिंदगी में हुए बदलाव के बारे में जानने का प्रयास किया। ज्यादातर मरीज उन अनजान फरिश्तों को धन्यवाद देते थक नहीं रहे हैं जिनके सहारे उनका जीवन अब सामान्य तरीके से गुजरेगा।

छात्रों को सेहतमंद रहने का तरीका सिखाएंगे पीटी मास्ट जफरउल्लाह

राज्य में शुरु हुई केडेवर डोनेशन की परंपरा के बाद किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यायाम शिक्षक जफरउल्लाह सिद्धकी की जिंदगी में बदलाव की बयार नजर आने लगी। अनजान फरिश्ते से मिली किडनी के प्रत्यारोपण के बाद उनकी सारी शारीरिक समस्या दूर हो गई। पीटी के शिक्षक अब नियमित रुप से अपने स्कूल के छात्रों को सेहतमंद रहने की तरीका सिखाएंगे। रायगढ़ जिले के कोतरलिया उमा. शाला के शिक्षक जफरउल्लाह शासकीय स्कूल में पीटी के टीचर थे और नियमित रुप से स्कूल के बच्चों को व्यायाम करना सिखाते थे। अपनी नियमित दिनचर्या के दौरान उन्हें करीब नौ माह पहले अचानक कमजोरी सी महसूस होने लगी। स्थानीय स्तर पर इलाज से लाभ नहीं होने पर वे राजधानी के अस्पताल तक पहुंचे जहां जांच के बाद मिली रिपोर्ट से उनके साथ पूरा परिवार दुखी हो गया। रिपोर्ट में उनकी दोनों किडनी खराब होने की जानकारी था, परिवार वाले किडनी देने को तैयार थे मगर मैच नहीं हो पा रहा था। फिर एक उम्मीद नजर आई।

अब दीनानाथ बन सकेगा कालेज का प्रोफेसर

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम गोखा में रहने वाला 20 साल का दीनानाथ अब कालेज में प्रोफेसर बनने के लक्ष्य को पूरा कर पाएगा। कृषक परिवार से संबंधित दीना बीएससी का छात्र है। कुछ साल पहले पढ़ाई के दौरान उसे अक्सर नींद आती थी कोई काम में मन नहीं लगता था और अक्सर थकान महसूस होती थी। घरवाले उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए तो पता चला कि उसकी दोनों किडनी गंभीर रोग की वजह से खराब हो चुकी है और उसे सप्ताह में दो बार डायलिसिस की जरूरत पड़ने लगी। बीमारी की वजह से उसकी पढ़ाई भी प्रभावित होने लगी थी। इकलौते बेटे की बड़ी बीमारी से उसके माता-पिता भी दुखी हो चुके थे मगर बेबसी की वजह से कुछ कर नहीं पा रहे थे। उन्हें चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट कराने का रास्ता बताया और एक शासकीय अस्पताल के माध्यम से उसका पंजीयन भी करवाया। डायलिसिस और दवा के दौरान उसके कुछ महीने गुजरे और इंतजार खत्म हो गया। संबंधित अस्पताल में एक ब्रेनडेड का मामला आया और उससे मिले गुर्दा की मदद से दीना की जिंदगी में बदलाव हो गया। अब वह दोगुनी हिम्मत और जोश के साथ प्रोफेसर बनने की तैयारी में जुट चुका है। अधूरी पढ़ाई पूरी करने के लिए अब वह दिनरात एक करने लगा है। बीस साल के इस बच्चे की जिंदगी में बदलाव करने वाले डाक्टर, चिकित्सकीय टीम के साथ उस अपरिचित को धन्यवाद देने के लिए दीनानाथ और उसके माता-पिता सहित परिवार के शब्द कम पड़ने लगे है।

आदिवासी युवाओं की समाजसेवा अंचल में बनी मिसाल

नौकरी न जमीन, मजदूरी के पैसे से पूरा कर रहे समाजसेवा का जूनून

क्या आपने कभी सुना है कि कोई मजदूरी करके भी अपने समाज और जरुरतमंदों की सेवा कर रहा है और वो भी दशकों से। मजदूर को जहां पूरा समाज तथा सरकार वंचित और विपन्न मानती है वहीं ऐसी बात सुनने मे किसी फिल्म की कहानी लगती है , लेकिन यह कहानी जिला मुख्यालय से करीब 70 किमी दूर धुर आदिवासी क्षेत्र में बीते एक दशक से बगैर शोर शराबे के समाजसेवा का सराहनीय आयाम गढ़ रही है।

पंकज तिवारी
रायगढ़

सारंगढ़ जिले के बडे नवापारा गांव के आदिवासी युवा अपनी मेहनत की कमाई समाजसेवा में खर्च कर रहे हैं। खास बात यह है कि ना तो इन आदिवासी युवाओं के पास कोई जमीन या सम्पत्ति है और ना ही कोई सरकारी नौकरी है। सारंगढ जिला मुख्यालय से करीब 50 किमी दूर बडे नवापारा पंचायत में करीब दस साल से स्थानीय आदिवासी युवाओं का संगठन युवा सेवा संघ न केवल नवापारा बल्कि आस पास के 6 पंचायतों में सैकडों बेसहारा लोगों की उम्मीद बनकर उभरा है। संगठन के सदस्य बाबूलाल सिदार, विश्वनाथ झरिया, सोभनाथ सिदार, दुलारमणी चौहान, विधान चौहान, वृंदावन चौहान, देवराज सिदार, घनश्याम चौहान, गजेंद्र चौहान, विमल सिदार, हरे कृष्णा यादव, नित्यानंद सिदार ने बताया कि उनके गांव मे सरकारी मदद कभी समय पर नहीं मिली और गांव की परेशानी वे सभी बचपन से देखते आ रहे थे । अपने गांव और आस पास के लोगों को मामूली दिक्कतों के लिए संघर्ष के बावजूद असफलता और घर करती निराशा देख गांव के इन डेढ दर्जन युवाओं ने कमर कसी और युवा सेवा संघ की नींव रखी।

मजदूरी के दो लाख समाजहित में

आदिवासी युवाओं ने बताया कि वे सभी दलित और भूमिहीन मजदूर हैं। सभी साल भर कडी मेहनत मजदूरी कर मिले पारिश्रमिक का एक हिस्सा जमा करते हैं और हर साल 6 फरवरी को नवापारा समेत आसपास की पंचायतों के जरुरतमंदों की खोजबीन कर एक मंच पर बुलाकर जमा राशि (30-40 हजार) उनकी मदद के लिए सौंप देते हैं। नकद राशि के आलावा युवा सेवा संघ के आदिवासी श्रमिक नौजवान बुजुर्गों और मरीजों की यथासंभव मदद करने हर वक्त तत्पर रहते हैं साथ ही कंबल, इलाज और दवाइयां आदि की भी व्यवस्था करने में कभी पीछे नहीं रहे। संघ के युवाओं का कहना है कि उन्होंने कभी भी अपने इस काम को जगजाहिर करने के पक्ष में नहीं रहे। कहने को भले ही युवा सेवा संघ के नौजवान आदिवासी और मजदूर हैं लेकिन इनका जज्बा पूरे गांव की हिम्मत बना हुआ है।

बिना किसी मदद के चला रहे रिहैब फाउंडेशन

फिलिप दंपति ने हजारों मानसिक दिव्यांगों को संभाला, रोशन कर दी उनकी जिंदगी

राजेश रंजन
सिन्हा/ रायगढ़

किसी ने आपके बुरे वक्त में आपकी मदद की है तो आप समाज को उसे कैसे लौटाओगे यह आप पर निर्भर करता है। कुछ इन्हीं जज्बों के साथ दीन दुखियों की सेवा में जुटे हैं रायगढ़ रिहैब फाउंडेशन के अध्यक्ष फिलिप थॉमस एवम उनकी दिव्यांग पत्नी जस्सी फिलिप। रायगढ़ में बिना किसी सरकारी मदद के आशा वृद्धाश्रम एवं सारंगढ़ में आशा प्रसादम देखभाल केंद्र चला रहे हैं।

श्री फिलिप के अंदर सेवा का जज्बा ऐसा है कि सुबह 5 बजे उठकर वे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं फुटपाथ पर सोए लाचार बीमार लोगों को चाय नाश्ता कराते हैं। बेघर व्यक्ति को बृद्धाश्रम में लाकर नहलाना साफ सुथरे कपड़े देना एवं उनके रहने की व्यवस्था करते हैं। श्री फिलिप बताते हैं कि अब तक उन्होंने हजारों लोगों को बृद्धाश्रम में आसरा दिया है। ज्यादा बीमार व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना कई बार गम्भीर रूप से बीमार व्यक्ति को बड़े सेंटर भी भेजते हैं। कैन्सर जैसे गम्भीर बीमारी के मरीजों को रायपुर भर्ती कराते हैं।

सैकड़ो लोगों को कर चुके हैं रक्तदान

फिलिप दंपती लापता, बीमार या लाचार व्यक्ति फिर वो महिला हो या पुरूष हो, इन सभी जरूरतमंदों का पता लगाकर पहले उन्हें रेस्क्यू करता है, फिर उनकी स्थिति में सुधार होने तक उनकी निःशुल्क सेवा के बाद विभिन्न माध्यमों से उनके परिवार वालों का पता लगाकर उन्हें सूचना देकर विधिवत उन्हें वापस परिजन को सुरक्षित सौंपते हैं। फिलिप और जस्सी न सिर्फ बृद्धा दिव्यांगों असहायों की सेवा करते हैं बल्कि एक दिव्यांग जीवनसाथी चुनकर उन्हें जीने की नई राह भी दिखाते हैं। फिलिप बताते हैं कि उनकी संस्था के माध्यम से वे दर्जनों दिव्यांगों के विवाह करवा चुके हैं।

जीवन की दिलचस्प कहानी

फिलिप के जीवन की कहानी बेहद दिलचस्प है । फिलिप के पिता खरसिया नगर पालिका में इंजीनियर थे। वहीं वीजी वर्गीस जो स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थे दवाएं बांटने आया करते थे। केरल के मलियाली होने के कारण घनिष्टता बढ़ गयी थी। फिलिप की मां का निधन बचपन में ही हो गया था और पिता फिलिप और उसकी बहनों को छोड़कर सऊदी अरब चले गए। इधर फिलिप और उसकी बहन की तबियत बहुत खराब हो गयी। तब वीजी वर्गीस खरसिया से तीनों भाई बहनों को रायगढ़ ले आए एवं इनको अपने घर में रखकर इलाज करवाया और देखभाल की। वहीं फिलिप की मुलाकात वीजी वर्गीस की दिव्यांग पुत्री जस्सी वर्गीस से हुई। जस्सी को मन ही मन वे चाहने लगे। फिलिप को लगने लगा कि एक अनजान परिवार किस तरह एक अनजान परिवार की मदद कर रहा है। वहीं से फिलिप ने मन मे असहाय दिव्यांग जनों, गरीबों की मदद का संकल्प लिया। 1996 में फिलिप ने जस्सी से विवाह किया। दोनों पति पत्नी मिलकर गरीब असहाय दिव्यांगों की सेवा रिहैब फाउंडेशन के माध्यम से कर रहे हैं।

उद्देश्यों पर खरा उतरता रीहैब फाउंडेशन

फिलिप बताते हैं कि रीहैब फाउंडेशन अपने उद्देश्यों में खरा उतरा है। यहां पर वृद्धों के रहने, भोजन, चिकित्सा सभी की व्यवस्था की गई है। वृद्धों के लिए रीहैब फाउंडेशन बहुत ही अनुकरणीय पहल है। पिछले सात वर्षों से यह संस्था अपना काम कर रही है जिसमें निराश्रित वृद्धों, घर से निकाले गए या दिमागी रूप से कमजोर होने के कारण गुम हुए वृद्धों- दिव्यांगों को आश्रय दिया जाता है। उनकी सभी तरह से देखभाल की जाती है, उनके रहने, खाने- पीने व चिकित्सा सहित सभी प्रकार की सुविधाएं दी जाती है जिसका संचालन फिलिप दंपती के हाथों में है। श्रीमती जस्सी फिलिप जो स्वयं दिव्यांग हैं मगर उनकी इच्छाशक्ति इतनी मजबूत है कि वह भरपूर आत्मविश्वास के साथ यह कार्य कर रही हैं। इसके पहले भी वे सीडब्ल्यूसी, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, बाल सदन व दिव्यांगों के लिए भी अपनी सेवा दे चुकी है।

दर्जनभर बाइक सवार बदमाशों ने एक परिवार पर बोला हमला

क्षेत्र पंचायत सदस्य समेत चार को पीटा हालत गंभीर, घरों में जमकर की तोड़फोड़ की हवाई फायरिंग, सरायख्वाजा के डाल्हनपुर में हुई घटना

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के डाल्हनपुर गांव में दर्जनभर बाइक सवार दबंग पहुंचे ,वहा परिवार के ऊपर धारदार हथियार हॉकी डंडे से हमला बोलकर पिटाई कर दिए ।जिसमें क्षेत्र पंचायत सदस्य समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए ।घायलो को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुट गई। जानकारी के अनुसार डाल्हनपुर गांव निवासी रामजीत सोनकर का घर जौनपुर शाहगंज मार्ग के किनारे है। सोमवार के दोपहर करीब पौने दो बजे एक दर्जन मोटर साइकिल सवार युवक पहुंचे । सबके हाथ में डंडा राड व धारदार हथियार थे। इस दौरान रामजीत सोनकर के घर पहुंचे उनके छोटे बेटे आकाश को पूछा, वहा मौजूद जासोपुर गांव निवासी महेन्द्र यादव का 23 वर्षीय पुत्र लल्लू यादव बच्चों को कोचिंग पढा रहा था उसे पीटना शुरू कर दिए। वही मौजूद 50 वर्षीय रामजीत सोनकर को बुरी तरह पीट

दिए, कई जगह गंभीर चोटे आयी हैं। बचाव के लिए पहुंचा क्षेत्र पंचायत सदस्य 25 वर्षीय सोनू सोनकर ने आरोपी युवको के बाइक की चाबी निकाल लिया। जिससे गुस्साए बदमाशों ने उसके सर पर पैर में धारदार हथियार से हमला कर दिया और इस दौरान 23 वर्षीय पत्नी आरती को भी पीट कर घायल कर दिया। दबंगों ने घरों में जमकर तोड़फोड़ की । आरोप है भीड़ जुटता देख बदमाशो ने हवाई फायरिंग कर दहशत फैला दी। फायरिंग होते ही सभी भीड़ भाग खड़ी हुई। सभी आरोपी बाइक पर सवार होकर भाग निकले। सूचना लगते ही पूर्वांचल चौकी प्रभारी संतोष कुमार यादव मय फोर्स साथ बदमाशों का पीछा किया , दो आरोपियो को सिद्धिकपुर चौराहा तक घेर कर पकड़ लिया। इसके बाद अन्य बदमाशों की तलाश में जुट गए। उधर सूचना लगते ही थानाध्यक्ष सतीश कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए।मामले की जानकारी लिया।उधर घायलों को दो एंबुलेंस से जिलाअस्पताल ले गए, उपचार के लिए भर्ती कराया। जानकारी पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि भाजपा नेता सुनील कुमार यादव मम्मन पहुंच गए। पुलिस से उचित कार्रवाई का जोर दिया। इस मौके पर भारी भीड़ जुट गई ।लोगों ने आरोपियो की गिरफ्तारी की मांग किया। चौकी प्रभारी पूर्वांचल संतोष कुमार यादव ने कहा कि गोली नहीं चली है। मारपीट की घटना हुई है आरोपियों को चिन्हित किया गया। शीघ्र पकड़ा जाएगा।

चालकों की हड़ताल से सड़कों पर पसरा सन्नाटा नेशनल हाईवे 28 पर नहीं दिखी रोडवेज बस और ट्रकों की आवाजाही यात्री रहे परेशान

प्रखर संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले में होकर गुजरने वाली नेशनल 28 हाईवे पर आज चालकों की हड़ताल की वजह से पसार रहा सन्नाटा और सड़के रही सोनी ट्रक चालकों की हड़ताल से जहां सड़कों पर आवा गमन में फर्क पड़ा है वहीं राहगीरों को भी आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है आपको बता दे मौजूदा केंद्र सरकार के द्वारा हिट एंड रन कानून के लागू होने के बाद से इसका जहां लगातार विरोध किया जा रहा है तो वहीं अब इसके विरोध में हड़ताल भी शुरू हो गई है। प्रदेशभर सहित कई जिले में बसों सहित ट्रकों के पहिए पूरी तरह थम गए हैं। बस, ट्रक

चालकों ने अपने-अपने वाहनों को खड़ा कर दिया है और वे हड़ताल पर चले गए हैं। जिला मुख्यालय पर भी वाहन नहीं चलने के कारण लोगों को आवाजाही करने में खासी परेशानियां आईं। लोग इधर-उधर भटकते रहे। बस स्टैंडों पर पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा। जिले के बाइपास में भी बसों के पहिए पूरी तरह थमे रहे, जिसके कारण लोगों को परेशानियां हुईं। अब इस कानून में संशोधन के बाद इसमें वाहन चलाने वाले ड्राइवरों को अधिकतम 10 साल की सजा के साथ ही 7 लाख रूपए जुमार्ना लगाने का प्रावधान किया गया है। इस कानून के लागू होने के बाद से लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहा है।

चिकित्सक बने गरीबों के मसीहा, ठिठुरती ठंड में जरूरतमन्दों को पहुंचाई राहत

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। ऐसे ही डॉक्टरों को धरती का भगवान कहा जाता है। आज के समय मे भले ही कुछ डाक्टर सेवा छोड़ रुपये को वरीयता देते हों मगर आज भी ऐसे डाक्टर हैं जो मानवता और जरूरतमन्दों को सस्ता उपचार गरीबों को मुफ्त उपचार के साथ साथ जरूरतमन्दों को समय समय पर मदद कर मानवता की मिशाल पेश करते हैं। डॉक्टरों में से चर्म एवं स्किन रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सीएस भारती, रेडिओलाजिस्ट डाक्टर फारूक अरशद, नवजात एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर देवी प्रसाद पुष्पजीवी, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अबुफैसल, एवं डाक्टर जावेद ने इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए रविवार की

रात नव वर्ष की पूर्व संध्या पर रात अपने स्टाफ को रेलवे स्टेशन, रोडवेज, जेसीज चौक सहित अन्य स्थानों पर जा जा कर ठंड से ठिठुरते जरूरतमन्दों, रिक्शा चालकों, ठेला, खोमचे वालों को अच्छी क्वालिटी का मोटा कम्बल पहनाकर कड़कड़ाती ठंड रात में ठंड से राहत दिलाने का काम किया।जिसकी चहुँओर सराहना की जारही है। इस सराहनीय कार्य को सुनकर लोगों के मुंह से बरबस यही निकलता है डॉक्टरों को यूं ही धरती का भगवान नही कहा जाता है। सही देखा जाय तो दान की यही परिभाषा उचित लगती है जो एक हाथ से दिया जाय और दूसरे हाथ को पता न चले। खैर कम्बल पाने से जरूरतमन्दों ने बहुत दुराएँ दी।

हाय 2024 बाय 2023 अंतर्गत दुल्हन प्रतियोगिता में बच्चों ने मचाया धमाल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वेलफेयर क्लब की ओर से रविवार को आयोजित नव वर्ष की पूर्व संध्या पर हाय 2024 बाय 2023 कार्यक्रम अंतर्गत दुल्हन प्रतियोगिता कुश बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दिलदारनगर में आयोजित की गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ क्लब अध्यक्ष डा0 शरद कुमार वर्मा तथा प्रभारी प्रधानाचार्या श्रीमती लालसा सिंह ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन तथा माल्यार्पण कर किया। इस प्रतियोगिता मे छात्राओ ने दुल्हन का वेष धर कर जहाँ जाते हुए साल 2023 की विदाई को सिसक-सिसक कर प्रस्तुत की वही नए वर्ष का स्वागत उत्साह पूर्वक बेहतरीन तरीके से प्रस्तुति देकर किया। छात्राओं ने दुल्हन के रूप में सज धज कर सजीव प्रस्तुति कर उपस्थित जनों को आश्चर्य चकित कर दिया। इसके अलावा समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमो की धूम मची रही। निर्णायक मण्डल के अनुसार जूनियर वर्ग में अरुणा को प्रथम, रेशमा खातून को दूसरा स्थान तथा तीसरे स्थान पर रूपसी रही, जबकि सीनियर वर्ग में दीपिका यादव प्रथम, इरम द्वितीय तथा खुशबू को तृतीय पुरस्कार के लिए चुना गया। रूपा कुमारी, माया, रूबी खातून, ताजिना, करिश्मा, ज्योति, संजना कुमारी, अंशिका, शमा, खुशबू, गुड़िया, स्नेहा, श्रष्टि सिंह, नीतू, सामिना, नासरा, साबिया, सहाना, लक्ष्मी कुमारी, अनुष्का, माधुरी, प्रीति आदि 47 को सांत्वना पुरस्कार

दिया गया। निर्णायक मंडल सदस्य के रूप में श्रीमति सुषमा यादव, शहाना जहां तथा श्रीमति रिंकू यादव रही। सभी विजयी प्रतिभागियों को संस्था के संयुक्त सचिव रामनाथ कुशवाहा पीआरओ सूर्य रेख मणि तथा सचिव अभिषेक सिंह ने शील्ड देकर सम्मानित किया जबकि क्लब अध्यक्ष डा0 वर्मा ने निर्णायक मंडल के सदस्यों तथा स्कुल के प्रधानाचार्य को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके उपरांत विद्यालय परिवार की ओर से शशिबाला सिंह, कुमारी मरियम तथा सच्चिदानंद मौर्य, राजरानी सिंह, माया अम्बेडकर ने निर्णायक मंडल के सदस्यों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम का संचालन श्रुति पांडेय एवम किरन ने किया। इस मौके पर रीता सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, निशा सिंह अमर सिंह, मुआज अहमद, सुभम गुप्ता, मनीष तिवारी, आसिफ अहमद, अभिषेक पांडे, आदि उपस्थित रहे।

टीकाकरण सत्र पर लापरवाही बरतने पर सीएमओ ने किया एएनएम को निलंबित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नियमित टीकाकरण जो स्वास्थ्य विभाग का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। जिसके तहत 0 से 5 साल तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कई तरह की रोगों से बचाता है। जिसके लिए नियमित टीकाकरण कार्यक्रम अलग-अलग केंद्रों पर एएनएम के माध्यम से लगाए जाते हैं। लेकिन बहुत सारे केंद्रों पर एएनएम के द्वारा लापरवाही बढ़ती जा रही है। ऐसी ही एक लापरवाही डॉ संजय कुमार जिला प्रशिक्षण अधिकारी के द्वारा 30 दिसंबर को भ्रमण के दौरान पाया गया। इसके बाद उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखकर इसकी जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिया और मुख्य चिकित्सा आधिकारी ने इस मामले पर कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से एएनएम को निर्लंबित किया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल ने बताया कि 30 दिसंबर को जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ संजय कुमार ने जिला महिला अस्पताल

के टीकाकरण स्थल का निरीक्षण किया। जहां पर उन्होंने कई कमियां पाई। उन कमियों में टीकाकरण स्थल पर कोई भी लॉजिस्टिक नहीं पाया गया। साथ ही ड्यूटी लिस्ट के अनुपलब्धता के साथ टीकाकरण सत्र संचालित किया जा रहा था। जिससे टीकाकरण सत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा टीकाकरण के दौरान एक बच्चा जिनकी जन्म तिथि 23 सितंबर 2022 था। इस बच्चे को एमआर का टीका दिया गया था एवं विटामिन ए सॉल्यूशन मात्र 1 एमएल पिलाया गया था। जबकि उम्र के अनुसार दो एमएल दिया जाना था। ऐसे में इस लापरवाही से बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ सकता है। इसके अलावा कई अन्य तरह के लापरवाही भी देखने को मिला था। इन्हीं लापरवाहियों के मद्देनजर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पूरी जानकारी उपलब्ध कराया था। इस जानकारी को आधार मानते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से बिंदु देवी स्वास्थ्य कार्यकर्ता को निलंबित किया।

2024 का स्वागत जय श्री कृष्णा फाउंडेशन ने रंगारंग पारिवारिक मिलन एवं म्यूजिकल नाइट के साथ मनाया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रामकटोरा स्थित सरोजा पैलेस में जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के बैनर तले एक पारिवारिक रंगारंग कार्यक्रम के साथ ही म्यूजिकल नाइट का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य विशेषताएं फिल्म स्टार माही कोलकाता से आई जिसमें मुख्यतः सागर जैसी आंखों वाली पायो रतन धन पायो आदि पर नित्य भी प्रस्तुत किया` जलसा बैंड और उत्तम जी की टीम द्वारा मनोरंजन कार्यक्रम एवं पारिवारिक गेम्स हुए जिसमें लोगों ने भरपूर लुफ्त उठाया सभी गाने के बल पर थी रखते नजर आए। जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के संस्थापक एवं समाजसेवी संजीव अग्रवाल द्वारा सर्वश्रेष्ठ कपल,बेस्ट ड्रेस मले, फीमेल व चिल्ड्रन एवं सभी गेम्स के लिए शानदार पुरस्कार वितरण किया गया यह पूरा कार्यक्रम बॉलीवुड & वेस्टर्न वेस्टर्न थीम पर आधारित है` ड्रेस कोड रेड और व्हाइट में लोगों ने अपने -अपने परिधानों में जलवा बिखरे स्वादिष्ट व्यंजन ऑन के साथ लोगों ने वर्ष 2024 का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि में मुंबई से मोटिवेशनल ट्रेनर निशा

चांडक , फिल्म जगत से डॉक्टर रतिशंकर त्रिपाठी एवं सिंगर जय पांडेय रहे। जय श्री कृष्णा फाउंडेशन परिवार ने हनुमान चालीस का पाठ कर किया नव वर्ष 2024 का स्वागत और केक काटकर किया मुंह मिठा सभी ने एक दूसरे को दी बधाई कहा नव वर्ष मंगलमय हो। जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के संस्थापक संजीव अग्रवाल ने कहा की बीते साल 2023 की छूटी कमियों को जो पूरा ना हो पाया हो इस नये वर्ष 2024 में आप सभी पूरा करें और अच्छे से नव वर्ष को मनाए अपना और अपने घर परिवार का ख्याल रखे और समाज के हित में जो अच्छा से अच्छा कार्य हो सके वह आप लोग करें। इस अवसर पर संजीव अग्रवाल, गौरव राठी ,सौम्या अग्रवाल, अरविंद जैन ,संजय मालू ,प्रदीप मल्होत्रा, दिव्या अग्रवाल ,पूजा गुप्ता ,हरे कृष्णा कक्कड़ ,राजेंद्र जायसवाल,अनिल केसरी ,रूबी शाह ,अभिषेक भट्टाचार्य सहित जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के सैकड़ों से ज्यादा की संख्या में पदाधिकारी और सदस्य शामिल थे।

पुलिस ने किया मोटरसाईकिल व मोटर चोरी गैंग के 03 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा वाछिंत, इनामिया अपराधियो, चोरो, लुटेरो आदि के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान व वाहन चोरी नकबजनी आदि की घटना के अनावरण हेतु चलाये गये अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जनपद गाजीपुर व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के कुशल निर्देशन में थाना बरेसर पुलिस टीम द्वारा सोमवार को मुखबिर की

सूचना पर थाना बरेसर अन्तर्गत ग्राम मलिकपुरा के एफसीआई गोदाम के पास से तीन अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से जनपद गाजीपुर के थाना बरेसर, कासिमाबाद, मुहम्मदाबाद व थाना कोतवाली क्षेत्र से चोरी की गई 04 अदद मोटर साइकिल , 02 अदद विद्युत मोटर, 02 अदद टुल्लू पम्प व ग्यारह हजार चार सौ रुपये नगद तथा 02 अदद तमंचा .315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर वरामद हुई है। गिरफ्तार अभियुक्तगणो के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त में सिद्धार्थ पुत्र रामअशीष राम सा0- शाहमुहम्मदपुर थाना बरेसर गाजीपुर, सौरभ राजभर पुत्र अमरेश राजभर सा0- सिरवल थाना नोनाहरा जनपद गाजीपुर हाल पता ग्राम सिपाह थाना बरेसर गाजीपुर, दुर्गेश राजभर पुत्र सुदामा राजभर सा0- सिपाह थाना बरेसर जनपद गाजीपुर। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसएचओ राजेश त्रिपाठी थाना बरेसर, उप निरीक्षक विनोद यादव थाना बरेसर जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

कदमवीर हनुमान जी का हुआ वार्षिक श्रृंगार और भंडारे का आयोजन

प्रखर वाराणसी। नव वर्ष 2024 के पावन बेला पर नीचीबाग पर श्री श्री 1008 कदमवीर हनुमान मंदिर पर विशाल भंडारा का आयोजन किया गया काशी में आये हुआ सभी काशी विश्वनाथ के भक्त सुबह से भंडारा का प्रसाद ग्रहण कर रहे है हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी क्षेत्र वासियों ने विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें मुख्य रूप से सुरेंद्र कसेरा, शिव चरण कसेरा ,बबलू कसेरा , मुन्ना लाल कसेरा ,मनोज कुमार कसेरा ,नीरज कसेरा ,अतुल कसेरा ,हिमाशु कसेरा,राजू कसेरा,बल्लू कसेरा ,अन्नू कसेरा , संजय कसेरा ,राजेंद्र कसेरा, भगानु कसेरा ,राजेश कसेरा , कन्हैया कसेरा ,विजय कसेरा, विनोद कसेरा ,मनीष कसेरा , ओम प्रकाश कसेरा, सुनील कसेरा ,सोहन लाल कसेरा आदि भक्तगण सम्मलित थे।

चाय पीने के भी सुनने पड़ते हैं ताने, यह हकीकत है साहब, इसे माने

प्रखर केराकत जौनपुर। यदि संत महात्माओं के वचन पर विचार किया जाय तो, स्वार्थवश किया गया उपकार नैतिक मूल्यों के विपरीत होता है परन्तु अब समय बदल गया है साहब, समाज में ऐसे लोग भी हैं जो बहुत कुछ नहीं खुद को सबकुछ समझते हैं, सिर्फ चाय पिलाकर अपनी मनमानी करवाने को अपना हुनर समझते हैं। पर वे यह नहीं जानते कि इसी समाज में सम्मानित पदों पर बैठे हुए ऐसे लोग भी हैं, जो अपने नैतिक जिम्मेदारियों से समझौता बर्दाश्त नहीं करते हैं। चाहे वह सरकारी अथवा गैर सरकारी पदाधिकारी क्यों न हों। उपरोक्त सुविचारों का आदान- प्रदान पूर्व सभासद रहे मोहम्मद असलम खाँन के आवास पर रविवार की शाम एक चाय पार्टी के दौरान हुआ।जिसमे सामाजिक खामियो को उजागर कर ऐसे लोगों से बचकर रहने को कहा गया, जो कुछ करके अधिक जतानें वाले हैं। इस मौके पर नगर के तमाम सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

सभासद सुंदरम त्रिपाठी ने नये वर्ष पर किया कंबल वितरण

प्रखर घघसरा बाजार गोरखपुर। नगर पंचायत घघसरा बाजार के वार्ड नंबर 4 पंडित दीनदयाल नगर के सभासद सुंदरम त्रिपाठी ने सोमवार को भीषण ठंड को देखते हुए जरूरत मंदों को कंबल वितरित किया। सर्द हवाओं ने गलन को बढ़ा दिया है। जिससे जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गरीब लोगों को ठंड से बचने के लिए काफी परेशानी हो रही थी। सभासद द्वारा कंबल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। सभासद ने लोगों से आह्वान किया कि समाज में सक्षम लोगों को आगे बढ़कर गरीब, असहाय लोगों की मदद करनी चाहिए। उन्हें जरूरत के सामान मुहैया करानी चाहिए। उक्त अवसर पर संजय त्रिपाठी, राजमती, शोभा, दीना, राम सुभग, फूलदेव, जुमराती, मुर्तजा, लक्ष्मी, रामसागर आदि लोग उपस्थित रहे।

कर्मचारी हितों के लिए हमेशा समर्पित रहे स्व. डीएन सिंह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। श्रमिक उत्थान समिति की ओर से राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री व जिलाध्यक्ष रहे कर्मचारी नेता डीएन सिंह की 61वीं जयंती सोमवार को फुल्लनपुर स्थित आवास पर मनाई गई। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें कर्मठ एवं जुझारू नेता बताया। राज्य कर्मचारियों के लिए वे हमेशा प्रेरणास्रोत रहेंगे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डीएन सिंह कर्मचारियों के हित की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहे। उन्होंने अपने वसूलों और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। श्रमिक उत्थान समिति के संरक्षक अरविद नाथ राय ने कहा कि कर्मचारी हितों की खातिर हमेशा लड़ाई लड़ने वाले ऐसे कर्मचारी नेता आदर्श प्रतिमान स्थापित करते हैं। समिति के अध्यक्ष चौधरी दिनेश चंद्र राय ने उनको याद करते हुए कहा कि वह कर्मचारियों के किसी भी हद तक जाकर सम्मान के लिए लड़ाई लड़ने को तैयार रहते थे। नारायण उपाध्याय ने कहा कि आज भले हम लोगों के बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी उपलब्धियां व उनका संघर्ष संगठन के प्रति आज भी जीवंत है। वही परिवारजनों द्वारा असहाय व्यक्तियों को कम्बल वितरित किया गया। इस मौके पर महासंघ के जिलाध्यक्ष बालेन्द्र कुमार त्रिपाठी, शिक्षणेत्तर संघ के जिलामंत्री राकेश कुमार पाण्डेय, ओमकार राय, रमाकांत, गोस्वामी प्रसाद, राजीव कुमार सिंह, विष्णुदेव यादव, रविन्द्र नाथ तिवारी, राजवीर सिंह, गायत्री सिंह. आशुतोष कुमार पाण्डेय, धीरेन्द्र राय, सतेन्द्र कुमार गुप्ता, आलोक आदि मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं